MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-21 ❖ मुंबई ❖ रविवार 14 से 20 मई 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

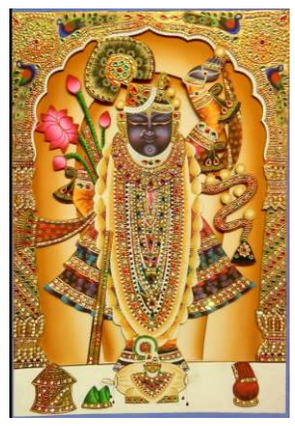

पेज 3
भगत सिंह कोश्यारी ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर दी सफाई

पेज 5
ओडिशा एफसी ने अमरिंदर सिंह का अनुबंध 2026 तक बढ़ाया

पेज 7
मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत दो फिल्में ह्यरोशह्न और 'जोगीरा सारा रा' होंगी एक ही दिन रिलीज

पेज 8
आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल लाया है देहलनवी फूड ट्रेल की बेहतरीन व्यंजन परंपरा; ये है आईटीसी होटल समूह के सिग्नेचर व्यंजनों की एक श्रृंखला

एक नजर

'द केरल स्टोरी' 12 को 37 देशों में रिलीज होगी

नई दिल्ली। 'द केरल स्टोरी' की मुख्य अभिनेत्री अदा शर्मा ने बुधवार को कहा कि यह फिल्म 12 मई को 37 देशों में रिलीज होगी। धर्मांतरण के विषय पर बनी इस फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर देश में राजनीतिक विमर्श छिड़ गया है, जिसके कारण कुछ राज्यों ने फिल्म को प्रतिबंधित कर दिया है और कुछ राज्यों ने इसे कर मुक्त कर दिया है। 'द केरल स्टोरी' ने शुक्रवार को रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर 56 करोड़ रुपये की कमाई की है। शर्मा ने ट्विटर पर फिल्म का समर्थन करने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'आप सभी करोड़ों लोगों को धन्यवाद जो हमारी फिल्म देखने जा रहे हैं, इसे ट्रेंड कराने के लिए धन्यवाद, मेरे प्रदर्शन को प्यार देने के लिए धन्यवाद।

ट्रेड यूनियन पहलवानों की आवाज पूरे देश में पहुंचाएंगी

नई दिल्ली। ट्रेड यूनियन नेताओं ने पहलवानों से मिलकर उनके आंदोलन को अखिल भारतीय आंदोलन बनाने के लिए मदद करने का आश्वासन दिया है। बुधवार को अमरजीत कौर (महासचिव एटक), अशोक सिंह (उपाध्यक्ष इंटक), सिंधु (सचिव सीटू), संतोष रॉय(सचिव एआईसीटीयू), लताबेन (सचिव दिल्ली सेवा), धर्मेंद्र (सचिव यूटीयूसी), कुलदीप (दिल्ली आईएनटीयूसी) जंतर मंतर पर जाकर पहलवानों से मिले थे। वहां इन नेताओं ने पहलवानों के समर्थन में भाषण भी दिए। बाद में संयुक्त ट्रेड यूनियन ने एक बयान जारी करके दोहरे मापदंड की आलोचना करते हुए कहा कि पॉक्सो एक्ट के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। वह रेसलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का अध्यक्ष बना हुआ है और सार्वजनिक रूप से कहता है कि जब तक प्रधान मंत्री उन्हें नहीं कहेंगे तब तक वह इस्तीफा नहीं देंगे।

गुजरात के 68 जजों के प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा समेत गुजरात की निचली अदालतों के 68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर शुक्रवार को रोक लगा दी। सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हसमुखभाई वर्मा ने ही मानहानि के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम आर शाह और जस्टिस सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियमावली 2005 के अनुसार, योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत और योग्यता परीक्षा पास करने पर ही पदोन्नति होनी चाहिए। नियमावली में 2011 में संशोधन किया गया था। पीठ ने कहा, ''हाईकोर्ट द्वारा जारी की गई सूची और जिला न्यायाधीशों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश गैरकानूनी और इस अदालत के निर्णय के विपरीत है। अतः इसे बरकरार नहीं रखा जा सकता।''

कर्नाटक में कांग्रेस का कमाल, BJP-JDS को नुकसान; राहुल बोले- नफरत की दुकान बंद

कर्नाटक में कांग्रेस की बंपर जीत के बाद पार्टी नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात की। उन्होने जीत के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। राहुल ने कहा कि इन चुनावों में हमें जीत दिलाने के लिए कर्नाटक की जनता को शुक्रिया। कर्नाटक में नफरत का बाजार बंद हुआ।

चुनाव नतीजों के बाद पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 'कर्नाटक चुनाव के नतीजों से उम्मीद बनी है कि राहुल गांधी 2024 में देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। कर्नाटक की जीत को मील का पत्थर बताते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि गैर भाजपाई पार्टियां एक साथ आएंगी और भाजपा को हराएंगी। यह नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा के खिलाफ जनादेश है।' खरगे ने जनता को दिया धन्यवाद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं कर्नाटक की जनता का धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने कांग्रेस को बहुमत से जिताया। हम उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। सभी जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। खरगे ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया। चुनाव में हार के बाद बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि हार-जीत भाजपा के लिए नई नहीं है। पार्टी कार्यकर्ताओं को इन नतीजों से घबराने की जरूरत नहीं है। हम हार के कारणों पर मंथन करेंगे और जनादेश का सम्मान करते हैं। कर्नाटक चुनाव के नतीजे जारी होने से पहले जनता दल (सेक्युलर) नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा था कि 'मैं एक छोटी पार्टी हूं और मेरी कोई मांग नहीं है। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि सिर्फ अच्छा विकास हो।' जेडीएस नेता ने ये भी कहा कि उनसे अभी तक किसी पार्टी ने संपर्क नहीं किया है। इन हॉट सीटों पर रही नजर वरुणा, कनकपुरा, शिगगांव, हुबली धारवाड़, चन्नापाटन, शिकारीपुरा, चित्तापुर, रामानगर और चिकमगलुरु सीटों के नतीजों पर सभी की निगाहे रहीं। शिगगांव सीट से सीएम बोम्मई उम्मीदवार थे। वरुणा सीट पर पूर्व सीएम सिद्धारमैया मैदान में थे। सिद्धारमैया का मुकाबला भाजपा के वी सोमन्ना के साथ था, जिसमें सिद्धारमैया जीते। कनकपुरा सीट से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार चुनाव मैदान में थे।

आर्यन खान को छुड़ाने के बदले शाहरुख से मांगी 25 करोड़ रिश्वत

समीर वानखेड़े पर CBI ने किया केस

मुंबई: सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) की एक टीम ने आज नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े के मुंबई स्थित घर पर छापा मारा। खबर है कि सीबीआई ने यह कार्रवाई बेहिसाब संपत्ति के मामले में की है। आरोप है कि इ्रग मामले में गिरफ्तार आर्यन खान की रिहाई के लिए समीर वानखेड़े ने उनके पिता और बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। लिहाजा अब समीर वानखेड़े की मुश्किलें बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। आर्यन खान मामलों के बाद एनसीबी की ओर से समीर वानखेड़े की जांच की जा रही थी। एनसीबी की सतर्कता समिति वरिष्ठ एनसीपी नेता और पूर्व अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक के दामाद समीर खान आर्यन खान इ्रग मामले की जांच कर रही थी। समिति ने वानखेड़े की बेहिसाब संपत्ति पर एक रिपोर्ट तैयार की थी और उसे सीबीआई को सौंपी थी। दो अक्टूबर, 2021 में समीर वानखेड़े की अगुआई में एनसीबी ने मुंबई में एक क्रूज पर छापा मारा था। इस छापेमारी में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को इ्रग मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला पूरे देश में काफी चर्चित रहा था। इस हरकत के बाद समीर वानखेड़े पूरे देश में चर्चा में थे। बाद में कोर्ट में सुनवाई के दौरान आर्यन खान को इस मामले में बरी कर दिया गया था। इसके साथ ही कोर्ट ने समीर वानखेड़े की टीम की भी आलोचना की।

सचिन तेंदुलकर ने साइबर सेल में दर्ज कराया धोखाधड़ी का केस

दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को मुंबई क्राइम ब्रांच के साइबर सेल में इंटरनेट पर चल रहे फेक विज्ञापनों में उनका नाम, फोटो और आवाज का इस्तेमाल होने को लेकर मामला दर्ज कराया है. उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके नाम, इमेज और आवाज का इस्तेमाल करके लोगों से ठगी की जा रही है. इतना ही नहीं, यह फेक विज्ञापन यह भी दावा कर रहे हैं कि उनका प्रोडक्ट खरीदने पर सचिन तेंदुलकर की साइन की हुई टी-शर्ट भी मिलेगी. सचिन तेंदुलकर की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस की साइबर सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.जानकारी के मुताबिक तेंदुलकर के निजी सहायक ने मामला दर्ज कराया है. शिकायत के मुताबिक पांच मई को फेसबुक पर एक ऑयल कंपनी का एड देखा, जिसमें ऑयल कंपनी ने तेंदुलकर की फोटो का इस्तेमाल किया था साथ ही विज्ञापन में नीचे लिखा हुआ था कि प्रोडक्ट को खुद सचिन तेंदुलकर ने रिकमेंड किया है. तेंदुलकर के निजी सहायक की शिकायत के मुताबिक ऐसे ही एड इंस्टाग्राम पर भी देखे गए हैं. मुंबई क्राइम ब्रांच को मिली शिकायत के आधार पर सचिन तेंदुलकर ऐसे किसी भी प्रोडक्ट को सपोर्ट नहीं करते हैं. इस विज्ञापन में सचिन तेंदुलकर की आवाज का गलत इस्तेमाल किया गया है, साथ ही उनकी तस्वीरों का दुरुपयोग किया जा रहा है. शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने इस मामले में आईपीसी की विभिन्न धाराओं 420, 465 और 500 के तहत मामला दर्ज किया है,

महाराष्ट्र सरकार ने परमबीर सिंह पर लगे मुकदमे वापस लिए, निलंबन का आदेश भी किया रद्द

मुंबई:महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ सभी आरोप वापस ले लिए हैं। इतना ही नहीं राज्य सरकार ने दिसंबर 2021 में जारी निलंबन के आदेश को भी रद्द कर दिया है। साथ ही यह कहा है कि निलंबन के दौरान माना जाए कि वह ऑन-ड्यूटी थे। महाविकास अघाड़ी सरकार के कार्यकाल के दौरान जब अनिल देशमुख महाराष्ट्र के गृहमंत्री थे। तब उनपर परमबीर सिंह ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। परमबीर सिंह ने तब कहा था कि अनिल देशमुख ने बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे को 100 करोड़ की हफ्ता वसूली का टारगेट दिया था। इन आरोपों के बाद अनिल देशमुख को मंत्री पद से इस्तीफा भी देना पड़ा था। इसके अलावा भ्रष्टाचार के आरोप में अनिल देशमुख को जेल भी जाना पड़ा था। परमबीर सिंह के खिलाफ हफ्ता वसूली के कुल आठ मामले दर्ज किये गए थे।

फ़िलहाल इन मामलों में उन्हें राहत दी गयी है। जब यह मामले परमबीर सिंह के खिलाफ दर्ज किये गए थे तब उन्होंने ठाणे में दर्ज मामले में अपना बयान भी दर्ज करवाया था। परमबीर सिंह फ़िलहाल रिटायर हो चुके हैं। इसलिए अब पुलिस महकमे में उनकी वापसी नहीं हो सकती है।

भ्रष्टाचार के अलावा परमबीर सिंह एससी/ एसटी कानून के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया था।

ख्वाजा यूनुस मौत मामले में 16 साल से निलंबित चल रहे सचिन वझे को भी पुलिस महकमे में दोबारा लाने के आरोप भी परमबीर सिंह पर लगे थे। वझे को परमबीर सिंह का काफी करीबी बताया जाता है। एंटीलिया विस्फोटक मामले और मनसुख हिरेन हत्याकांड मामले के बाद परमबीर सिंह और सचिन वझे की मुश्किलें बढ़ने लगी थीं।

नाना पटोले के इस्तीफे के बाद तुरंत कार्रवाई नहीं हुई

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले अजित पवार

पुणे: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया है। अजित पवार ने कहा कि अगर महा विकास आघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद से नाना पटोले के इस्तीफे के बाद तुरंत कार्रवाई नहीं हुई। ऐसा कार्रवाई होती तो पिछले साल शिवसेना में मची उथल-पुथल के बाद 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता था।

एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों के विद्रोह के बाद उद्धव ठाकरे नीत एमवीए सरकार के पतन के कारण राज्य में राजनीतिक संकट पैदा हुए। इस पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से फैसला सुनाए जाने के एक दिन बाद अजित पवार पुणे में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। एकनाथ शिंदे ने बाद में बीजेपी से हाथ मिला लिया और राज्य के मुख्यमंत्री बन गए। अजित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की ठाकरे की मांग व्यर्थ है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और 'मौजूदा लोगों' में बहुत फर्क है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष (पटोले) ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मशविरा किए बिना ही इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने के बाद ही इसकी घोषणा की गई थी। यह नहीं होना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ।

इस्तीफा वापस लेंगे शरद पवार? 2-3 दिन में करेंगे विचार... अजित पवार ने समर्थकों को दिया संदेश

'विधानसभाध्यक्ष की नियुक्ति का मुद्दा उठाना चाहिए था' पवार ने कहा कि पटोले के इस्तीफे (फरवरी 2021 में) के बाद महागठबंधन जिसमें एनसीपी, कांग्रेस और अविभाजित शिवसेना भी शामिल थी, को विधानसभाध्यक्ष की नियुक्ति का मुद्दा उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लेकिन दुर्भाग्य से, एमवीए के रूप में हम ऐसा करने में नाकाम रहे। अजित पवार एमवीए सरकार में उप मुख्यमंत्री थे।

'सुलझाया जा सकता था अयोग्यता के मुद्दा' उन्होंने कहा कि अगर विधानसभा अध्यक्ष होते तो शिंदे गुट के विद्रोह के कारण पैदा हुए अयोग्यता के मुद्दे को सुलझाया जा सकता था। लेकिन लंबे समय से विधानसभा के उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही देख रहे थे। पवार अभी विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना (विद्रोह और नयी सरकार के गठन) के बाद, उन्होंने तुरंत उस खाली पद को भर दिया। अगर वह पद पहले से ही भरा होता तो अध्यक्ष इन 16 लोगों (विधायकों) को अयोग्य घोषित कर देते। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शिंदे और फडणवीस से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की ठाकरे की मांग के संबंध में पवार ने कहा कि इससे कोई मकसद हल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मौजूदा लोगों के बीच बहुत अंतर है। वे कभी इस्तीफा नहीं देंगे। वे सपने में भी इस्तीफा नहीं देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा? दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा था कि वह ठाकरे की अगुवाई वाली एमवीए सरकार को बहाल नहीं कर सकता क्योंकि उन्होंने पिछले साल जून में शक्ति परीक्षण का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था। उसने अध्यक्ष को 'उचित अवधि' के भीतर 16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला करने को कहा।

बीजेपी पर पड़ी बजरंगबली की गदा, लोगों ने मारी लात...

कर्नाटक चुनाव रिजल्ट के बाद संजय राउत का मोदी-शाह पर वार

मुंबई: कर्नाटक विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है। कांग्रेस लगातार आगे चल रही है। कांग्रेस को बहुमत मिल सकता है। इसी बीच कांग्रेस सत्ता बनाने की पहल में जुट गई है। कांग्रेस के दफ्तरों में जश्न का माहौल है। रुझानों के साथ ही बीजेपी को विपक्षी पार्टियां निशाना बनाने लगी हैं।

संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है और कहा है कि बजरंगबली का गदा बीजेपी को ही पड़ गया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि जनता ने बीजेपी को लात मारी है।प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया। इन दोनों नेताओं ने कर्नाटक में रोड शो और जनसभाएं कीं। हालांकि स्टार प्रचारकों और सारी व्यवस्थाओं को दांव पर लगाने के बावजूद बीजेपी को कर्नाटक में अपेक्षित सफलता मिलती नहीं दिख रही है। इसी पर संजय राउत ने पीएम और अमित शाह को निशाने पर लिया है। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को हार मिलेगी। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक में वही हो रहा है जो 2024 में होगा। संजय राउत ने कहा कि कर्नाटक में श्रीराम और बजरंगबली सत्य के पक्ष में आ गए। संजय राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस कर्नाटक में जीत रही है तो यह PM मोदी और अमित शाह की हार है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपनी हार को देखते हुए बजरंगबली को मैदान में उतारा लेकिन उनकी गदा भाजपा पर ही पड़ गई।

पाकिस्तान में अस्थिरता

पाकिस्तान में इन दिनों सियासत गर्म है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद कई जगहों पर हिंसक प्रदर्शन हुए। हालांकि हाई कोर्ट ने इमरान को दो हफ्ते की जमानत दे दी। लेकिन अभी भी वहां स्थिति नियंत्रण में नहीं है। माना जा रहा है कि आने वाले वक्त में टकराव बढ़ सकता है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट से दो हफ्ते की जमानत और 17 मई तक गिरफ्तारी से सुरक्षा पाकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भले ही थोड़े समय के लिए राहत की सांस ली हो, लेकिन इस पूरे प्रकरण ने पाकिस्तान में जिस तरह के हालात पैदा कर दिए हैं, उनसे उसका तुरंत निकलना मुश्किल दिख रहा है। बेशक, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल दखल देकर हालात को संभालने की एक कोशिश की। गुरुवार को उसने हाईकोर्ट परिसर से हुई इमरान खान की गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर दिया। अगले दिन उन्हें इस्लामाबाद हाई कोर्ट से बेल मिल गई। लेकिन इस दौरान आ रही खबरें बताती रहीं कि हालात किस कदर विस्फोटक बने हुए हैं। सरकार में शामिल पीएमएल (एन) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम शरीफ ने न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत और खतरनाक बताया बल्कि फैसला देने वाले चीफ जस्टिस पर सीधा कॉमेंट करते हुए कहा कि बेहतर होगा वह अपने पद से इस्तीफा देकर इमरान खान की पार्टी में शामिल हो जाएं। इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार इमरान को किसी भी तरह की रियायत देने के मूड में नहीं है। वहां की

सेना भी यही चाहती है। मगर देश के आम लोगों के बीच इमरान खान की लोकप्रियता बनी हुई है। इसी वजह से उनकी गिरफ्तारी के बाद देश के कई इलाकों में प्रदर्शन हुए, जो बेकाबू भी हो गए। ऐसे माहौल में जो संभावनाएं उभरती हैं, वे डराने वाली हैं। चूंकि तीनों में से कोई भी पक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए टकराव बढ़ने की आशंका है। न्यायपालिका के दोफाड़ होने की बात पहले से कही जा रही है। मौजूदा चीफ जस्टिस पर मरियम शरीफ की टिप्पणी ने एक तरह से उसकी पुष्टि कर दी। अगर सेना भी इमरान खान के पक्ष और विरोध वाले दो गुटों में बंट गई तो क्या होगा? यह कोई दूर की कौड़ी नहीं है। पाकिस्तान की सेना में पंजाब प्रांत के लोग अच्छी संख्या में हैं। इमरान की गिरफ्तारी के बाद पंजाब प्रांत में जिस तरह से लोग सेना मुख्यालय में घुस गए, वह कोई छोटी बात नहीं है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में पहले नहीं देखी गईं। इससे जहां पाकिस्तान के लोगों के मन में सेना की इज्जत कम होने के संकेत मिलते हैं वहीं, यह सवाल भी उठता है कि क्या सेना के भी एक हिस्से की मिलीभगत के बगैर ऐसी घटनाएं हो सकती थीं। कुछ सैन्य अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई इस संदेह को बल प्रदान करती है। ऐसे में बड़ा डर यह है कि कहीं पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात न बन जाएं। कहने की जरूरत नहीं कि इस परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देश का ऐसी किसी स्थिति में फंसना भारत के लिए भी गंभीर चिंता की बात होगी।

उद्धव और शिंदे की लड़ाई जारी रहेगी

महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला पक्ष-विपक्ष दोनों को खुश कर गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट इसलिए प्रसन्न है क्योंकि उसकी सरकार बच गई। उद्धव ठाकरे गुट इसलिए खुश है क्योंकि उसे कानूनी लड़ाई का एक और पलीता मिल गया। शिवसेना किसकी, इस पर लड़ाई जारी रहेगी। अब गेंद स्पीकर और चुनाव आयोग के पाले में है। इस संतुलित फैसले से पक्ष-विपक्ष सबके लिए 'विन-विन' सिचुएशन बनी है। अदालत ने राज्यपाल, विधानसभा स्पीकर और चुनाव आयोग तीनों के संवैधानिक अधिकारों को बहुत स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है और उनमें किसी तरह के हस्तक्षेप से अपने को दूर रखा है।राज्यपाल की भूमिका यह जरूर है कि अदालत ने पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी की भूमिका को स्पष्ट रूप में गलत कहा है; लेकिन अब चूंकि वह पद पर नहीं हैं इसलिए मामला यहीं खत्म हो गया। कुछ ऐसा ही पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। वह सदन का सामना करने से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। इसलिए उन्हें फिर से पद पर बहाल करने का प्रश्न ही नहीं रहा। फिर भी झगड़ा खत्म नहीं हुआ है। स्पीकर और चुनाव आयोग के स्तर पर अब नई कानूनी लड़ाई शुरू हो जाएगी।

सबसे बड़ा मुद्दा है, शिवसेना किसकी? यहां चुनाव आयोग का पिछला फैसला मुख्य मुद्दा होगा। आयोग ने शिवसेना और उसका चुनाव चिह्न तीर-कमान शिंदे गुट को सौंप दिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने सही नहीं माना। कोर्ट का कहना है कि असली शिवसेना तय करते समय जो पैमाना अपनाया गया, वह अपर्याप्त है। आयोग ने अधिकतर सांसद, विधायक और नगरसेवक शिंदे के पक्ष में होने के कारण उनके गुट को असली शिवसेना माना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब उद्धव ठाकरे के लिए आयोग के समक्ष पुनर्विचार याचिका दायर करने का द्वार खुल गया है।

उद्धव गुट को सबसे पहले यह मामला विधानसभा स्पीकर के सामने उठाना होगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों में स्पीकर के अधिकारों की पुनर्पुष्टि की है। एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले पर भी स्पीकर को ही फैसला करना होगा। नए स्पीकर राहुल नार्वेकर बीजेपी के हैं। उन्होंने शिंदे गुट के भरत गोगावले को विप के रूप में मान्यता दे दी थी। वह फैसला गलत करार दिया गया, लेकिन

फैसला करने का उनका अधिकार बरकरार है। ऐसे में शिवसेना का विप कौन, यह अब स्पीकर को तय करना है। उन्हें सबसे पहले असली शिवसेना पार्टी और उसके विधायक दल को मान्यता देनी होगी। इसके लिए दोबारा सुनवाई करनी होगी। संसदीय लोकतंत्र में विप का पद बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। वही पार्टी विधायकों को किसी प्रस्ताव के पक्ष या विपक्ष में वोट देने के निर्देश देता है। इस निर्देश को न मानने वाले विधायक अयोग्य करार दिए जा सकते हैं। कोर्ट ने स्पीकर के लिए इस बारे में कोई समय सीमा तय नहीं की है। केवल 'उचित समय' में निर्णय करने का निर्देश दिया है। मणिपुर में ऐसा ही मामला दो साल तक लंबित रहा था। अंत में सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर तीन माह में निर्णय देने का निर्देश देना पड़ा। महाराष्ट्र में भी ऐसी स्थिति बन सकती है। हो सकता है तब तक चुनाव आ जाए। यदि ऐसा हो तो नई विधानसभा आएगी, नए स्पीकर आएंगे और सदन में यह मसला ही नहीं रह जाएगा।

अगर स्पीकर इस पर अपना फैसला सुना दें, तब भी लड़ाई समाप्त नहीं होने वाली। उनका फैसला, जैसी कि उम्मीद है शिंदे के पक्ष में गया तो उद्धव इसे चुनाव आयोग के समक्ष चुनौती दे सकते हैं। यदि स्पीकर का फैसला उद्धव के पक्ष में गया, तो शिंदे गुट उसे चुनौती दे सकता है। यह बहुत ही पेचीदा मसला है। पार्टी के संविधान, कार्यकारिणी, अध्यक्ष या प्रमुख के अधिकार आदि दावों-प्रतिदावों, पार्टी में फूट और बहुमत वाला गुट तय करने और उसे ही अंतिम रूप से शिवसेना मानने में बहुत समय लग जाएगा।

राज्यपाल की तरह चुनाव आयोग की जल्दबाजी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है। वर्तमान में इस टिप्पणी का आयोग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन उसे भविष्य में दिशानिर्देश अवश्य मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले में स्पीकर की भूमिका के बारे में एक और अहम व्यवस्था दी है। यह सुप्रीम कोर्ट के ही एक अन्य फैसले से संबंधित है। वह मामला सन 2016 का है। अरुणाचल प्रदेश के स्पीकर नबाम रेबिया ने कुछ विधायकों को अयोग्य करार दिया था। उसके कुछ समय पहले विधायकों ने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास जताया था। मुद्दा यह था कि क्या जिस स्पीकर के खिलाफ अविश्वास व्यक्त किया गया है, उसे किसी विधायक को अयोग्य करार देने का अधिकार है? सुप्रीम कोर्ट में जब मामला आया तब अदालत ने स्पीकर के आदेश को रद्द कर दिया। शिंदे गुट ने इसी का आधार लिया था, जबकि उद्धव गुट की मांग थी कि नबाम रेबिया फैसले पर पुनर्विचार के लिए सात सदस्यीय खंडपीठ गठित की जाए और उसका फैसला आने के बाद महाराष्ट्र के मामले पर विचार किया जाए। अदालत ने सुनवाई रोकने से इनकार कर दिया, लेकिन फैसले में नबाम रेबिया मामले में सात सदस्यीय खंडपीठ गठित करने का निर्देश देकर उद्धव गुट की बात मान ली। हालांकि इस पीठ का फैसला आते तक शायद उद्धव गुट का मूल मुद्दा ही खत्म हो जाए। भविष्य के लिए दिशानिर्देश अदालत ने महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष में राज्यपाल, स्पीकर, चुनाव आयोग तीनों संवैधानिक संस्थाओं पर विपरीत टिप्पणियां जरूर की हैं, लेकिन उनके संवैधानिक अधिकार बरकरार होने की पुष्टि भी की है। इसलिए यह फैसला आगे के सत्ता संघर्ष में दिशानिर्देश का काम करेगा।

कांतिलाल ऐ. पटेल

'लव जिहाद' के घात पर योगी सरकार का कुठाराघात

'लव' के शर्बत में जब 'जिहाद' का जहर मिल जाए तो उसका दर्दनाक और जानलेवा हो जाना लाज़मी है। इस 'लव जिहाद' के जहर की तासीर कुछ ऐसी होती है कि बेबसी, बदनामी, घुटन, टूटन, तड़पन और आंसुओं के सैलाब में डूबती-उतराती मजबूर जिंदगी आखिरकार मौत की दहलीज़ पर दम तोड़ देती है।

राष्ट्रद्रोही और इंसानियत के विरोधी इस 'जिहादी जहर' से उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने साल 2020 में ही 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' को लागू कर दिया था। उसका ही परिणाम है कि प्रदेश की 185 पीड़ित महिलाओं को न्यायालय के समक्ष अपने जबरन धर्म परिवर्तन करवाए जाने की बात कहने का अवसर मिल सका। वहीं नाबालिगों के कन्वर्जन के अब तक 65 मामले दर्ज किए गए हैं।

दुर्भाग्य है कि ये अवसर, श्रद्धा, निकिता तोमर, नेशनल शूटर तारा सहदेव, आराधना जैसी हज़ारों लड़कियों को नहीं मिल पाया। उन्हें जिहादी जहर ने बड़ी ही बेदर्दी से लील लिया। मजहबी कट्टरता की कोख से जन्मे 'लव जिहाद' की तपिश से कराहती मानवता की दर्दनाक चीख 'द केरल स्टोरी' से यह मुद्दा पुनः विमर्श का केंद्र बन गया है। दरअसल मतांतरण के माध्यम से राष्ट्रांतरण की कुत्सित चेष्टा आज से नहीं सदियों पुरानी है। लोभ, कपट, झूठ और भय उसके बड़े हथियार हैं।

इस्लामी आक्राताओं ने छल, बल और जबरन धर्मांतरण से भारत को दारुल इस्लाम बनाने की पूरी कोशिश की। लेकिन जबरदस्त प्रतिरोध के कारण वे अपने मंसूबों में नाकामयाब रहे। उसके बाद इसाई मिशनरियों ने भी यही कार्य किए। उद्देश्य उनका भी भारत को 'होली लैण्ड' बनाना था बस शैली इस्लामी आक्राताओं से थोड़ी जुदा थी। देश और समाज को 'संस्कृति परिवर्तन' के माध्यम से अस्थिर करने की कोशिशें आज भी जारी हैं। हम देख सकते हैं कि रणबांकुरे, योद्धा जनजातियों की भूमि नार्थ ईस्ट आज 'क्रिस्तान' बन अलगाव की आग में तप रही है तो दुनिया को इस्लामिक आग को शोलों में जला रहा 'जिहाद' का मायावी मारीच 'लव जिहाद' का रूप धर देश की बेटियों की जिंदगी को बर्बाद कर रहा है। जबरन धर्मांतरण का सबसे घृणित, अमानवीय और स्त्री विरोधी स्वरूप है 'लव जिहाद'। अफसोस है कि अब इस वीभत्स कार्य में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी शामिल हैं। सार्वजनिक स्थल से लेकर वर्चुअल दुनिया तक पूर्ण नियोजन के साथ शिकार की तलाश होती है। कभी शकील 'शिवम' बनकर आता है तो कभी साहिल 'सेकुलर' चोले में। केरल से कश्मीर तक और कामरूप से कन्याकुमारी तक यही स्थिति है।

आजाद भारत में यह आग दिन पर दिन फैल ही रही थी कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' के माध्यम से अनुचित तरीकों से 'धर्म परिवर्तन' द्वारा देश और समाज को अस्थिर करने की कुचेष्टओं को संचालित करने वाले तंत्र पर योगी सरकार ने 'विधिक सर्जिकल स्ट्राइक' कर सबको अंचभित कर दिया। इससे प्रेरित होकर अनेक राज्यों ने अपने यहां अवैधानिक धर्मांतरण कानून को लागू किया। यह कानून, धर्म की आड़ में षड़यंत्र करने वालों के मंसूबों को परिणामदायक प्रहार है। अब मिथ्या निरूपण, बल, असम्यक प्रभाव, प्रलोभन या कपट पूर्ण माध्यम द्वारा धर्मपरिवर्तन का कृत्य संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध है। धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से ही विवाह किया गया था, यह प्रमाणित होने पर विवाह को शून्य मान लिया जाएगा। सबसे अच्छी बात तो यह है कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' पूर्णतः सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होता है, जिसके कारण भारत का पंथनिरपेक्ष स्वरूप और मजबूत होता है। यह कानून मौजूदा हालातों की जरूरत है।

गौरतलब है कि लव जिहाद या रोमियो जिहाद की अवधारणा भारत में साल 2009 में पहली बार केरल और उसके बाद कर्नाटक के कैथोलिक ईसाइयों के शोर के बाद राष्ट्रीय ध्यानाकर्षण का सबब बनी थी। उनका दावा था कि लगभग 4000 बेटियों को प्रलोभन देकर या डरा कर मुसलमान बना लिया गया है। कुछ मामले उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में भी चले थे। केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के.टी. शंकरन ने जबरदस्ती धर्मांतरण की बात को स्वीकार भी किया था। सरकारी जांच एजेन्सियों ने अपनी विवेचना में यह पाया था कि कुछ इस्लामी संगठन बाकायदा धर्म-परिवर्तन (तगय्युर) की मुहिम चलाए हुए हैं। इस मुहिम को एक आंदोलन का रूप देने की कोशिश लगातार की जा रही है। विदित हो कि राम और कृष्ण की पावन धरा पर न तो कभी प्रेम वर्जित था न ही प्रेम विवाह। लेकिन प्रेम की आड़ में धर्म परिवर्तन के षड़यंत्र को भला कैसे स्वीकार किया जा सकता है? 'रहमान' के 'रमेश' बनकर प्रेम जाल बुनने की घटनाएं तो जब-तब अखबार की सुर्खियां बनती ही रहती हैं। यह एक वृहद सुनियोजित संगठनात्मक षड़यंत्र का हिस्सा है। दरअसल मुस्लिम शादियां शरीयत के अनुसार होती हैं, जिनमें वर और कन्या दोनों का मुस्लिम होना अनिवार्य होता है, अतः शादी के समय धर्मांतरण स्वाभाविक रूप से हो जाता है। लेकिन यदि शादी के लिए मजहब बदलना पड़े तो फिर उसे अंतरधार्मिक विवाह कैसे कहा जा सकता है? इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि 'शादी-ब्याह के लिए धर्म-परिवर्तन आवश्यक नहीं है। यह वैध नहीं है।' कुछ ऐसे ही विचार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भी थे, जब इंदिरा गांधी की शादी फिरोज गांधी से हो रही थी, तब उन्होंने कहा था कि शादी के लिए धर्म परिवर्तन की जरूरत नहीं है। पीड़ा यहीं से शुरू होती है। जब तक पीड़िता को मालूम होता है कि उसके साथ सुनियोजित छल हुआ है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण ही एक मात्र विकल्प होता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताड़ना और पश्चाताप के अंतहीन अंधेरे पीछा नहीं छोड़ते। यदि पीड़िता ने धर्मांतरण से इंकार कर दिया तो बेरहम कत्ल तोहफे में मिलता है। सारी समस्या, अपने मजहब को सर्वोत्तम मानने के साथ ही उसे दूसरों को भी मनवाने की जिद और जद्दोजहद से शुरू होती है। सुन्नत और फर्ज जैसे लफ्जों के 'दीनी वर्क' में लिपटे होने के कारण जबरन धर्मांतरण के लिए अमानवीयता की हदें लांघने में भी गुरेज नहीं किया जाता है।खैर, यूपी में योगी सरकार की सक्रियता और गंभीरता के कारण इस पर काफी हद तक लगाम लगी है। विदित हो कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' के अंतर्गत दिनांक 27-11-2020 से 30-04-2023 तक कुल 433 पंजीकृत अभियोगों में 1229 लोग नामजद हुए, 855 लोग गिरफ्तार हुए और 339 मामलों में आरोप पत्र भी दाखिल हो गए हैं। सख्त कानूनी कार्यवाहियों ने जिहादी जहर के सौदागरों के मन में डर तो पैदा किया है। काबिल-ए-गौर है कि यह समस्या पूरे देश की है किंतु इसके निदान हेतु परिणामदायक पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई। यही नायकत्व है। लव जिहाद से प्रदेश की बेटियों को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी के अभिभावकत्वपूर्ण प्रयासों को तो दुनिया में दिल खोल के सराहना मिल रही है, जिहादी जहर से पीड़ित बेटियों के जीवन में इंसाफ और आत्मविश्वास का प्रकाश फैल रहा है।

भूपत सांवलिया

किरीट ए. चावड़ा

क्यों डरा रहा मौसम का बदलता मिजाज?

पिछले साल अप्रैल-मई के बीच 35 करोड़ भारतीयों को अप्रत्याशित गर्मी झेलनी पड़ी। इनमें 25.4 करोड़ तो लगातार 300 घंटे यानी 12 दिन से अधिक समय तक इस झुलस की चपेट में रहे। 1990 से 2019 के बीच पंजाब, हरियाणा, यूपी, बिहार और राजस्थान के ज्यादातर जिलों में पारे में औसतन 0.5-0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। इस दौरान देश के 54 फीसदी जिलों में सर्दियों के तापमान में भी इसी तरह की वृद्धि देखी गई। 2021 से आगे 2050 तक अनुमान है कि देश के कम से कम 100 जिलों में 2 से 3.5 डिग्री सेल्सियस तक और 455 जिलों में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ जाएगा। इसी तरह 485 जिलों में सर्दियों के तापमान में भी 1-1.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़त का अनुमान है।

टूटते रेकॉर्ड

शहरी तापमान में ऐसी वृद्धि दुर्लभ है। ऐसा बीते 300 वर्षों में तो नहीं ही देखा गया है। जाहिर तौर पर जलवायु परिवर्तन के साथ स्थानीय मौसम का मन-मिजाज बिगड़ रहा है।

अप्रैल-मई का तापमान हर तीन साल में रेकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच रहा है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था के 40 फीसदी और उसके कार्यबल के 75 फीसदी हिस्से को निकट भविष्य में अत्यधिक तापमान के बीच कार्य करना होगा।

हमारे शहर अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट से घिरे हुए हैं, जिससे वहां बाहरी ग्रामीण इलाकों के मुकाबले तापमान 4-12 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहता है। इस बीच आर्द्रता ने भी तापमान को बढ़ाया है।

जनवरी में ठंड के बाद फरवरी और मार्च की शुरुआत में गर्मी के साथ बीते कुछ हफ्तों में ओलावृष्टि और भारी बारिश मौसम के इस परिवर्तन को जाहिर करते हैं।

सर्दी का मौसम छोटा होने और अधिकतम तापमान बढ़ने से पारिस्थितिक संतुलन के साथ पौधों की वृद्धि भी प्रभावित होगी। इसे एक उदाहरण से भी समझ सकते हैं। भारत का 90 फीसदी जीरा उत्पादन गुजरात और राजस्थान में होता है। मौसम के हालिया परिवर्तन का नतीजा यह है कि राजस्थान में ज्यादातर जीरे की फसल नष्ट हो गई है। ऐसी ही दुर्दशा सरसों, इसबगोल और अरंडी के साथ भी देखी जा रही है। कृषि फसल के नुकसान से आगे तापमान का यह परिवर्तन हमें सूखे और उच्च मृत्यु दर की ओर भी ले जा सकता है। बढ़ते तापमान ने शहरों में जीवन को मुश्किल बना दिया है।

भारत में भारी काम करने वाले मजदूरों को प्रचंड गर्मी के कारण पहले से ही प्रति वर्ष 162 घंटे का नुकसान उठाना पड़ता है। बेतहाशा गर्मी के कारण दिन में छाया में भी काम करने वाले श्रमिकों की उत्पादकता में प्रति घंटे 15-20 मिनट की कमी दर्ज की गई है।

एक अनुमान के मुताबिक, बदली हुई स्थिति में भारत के 50 फीसदी कार्यबल को उनके काम के घंटों के दौरान गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

इस कार्यबल में खेतों में मेहनत करने वाले सीमांत किसान, निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूर और सड़कों पर अपनी उपज बेचने वाले रेहड़ी-पटरी वाले शामिल हैं।

अस्थायी तौर पर दिहाड़ी कमाने वाले भी इससे प्रभावित होंगे।

मौजूदा हालात में अर्बन हीट आईलैंड इफेक्ट को कम करने के लिए हमें शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ानी होगी। इसके साथ नागरिक बुनियादी ढांचे और आवासीय निर्माण में ऐसी सामग्री के इस्तेमाल को बढ़ाना देना होगा, जिससे गर्मी की मार से बचा जा सके। ताप-अवशोषक जीआई और मेटल रूफ शीट के उपयोग से बचने के लिए शहरी भवन मानकों को अपग्रेड करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि अकेले मुंबई में 2011 में 10.2 लाख घरों की छतें ऐसी ही थीं। हरित-अनुकूलन वाली निर्माण सामग्री के साथ पैसिव अर्बन डिजाइन को भी अपनाया जा सकता है।

इसमें चंडीगढ़ मिसाल हो सकता है। इस शहर को दो नदियों के बीच शिवालिक की तलहटी में बसाया गया। शहर के मास्टर प्लान में प्राकृतिक हरित पट्टी को अनिवार्य बनाया गया।

शहरी फैलाव नियंत्रित करने के लिए आवासीय शहर और औद्योगिक उपनगरों के बीच बफर के रूप में काम करने के लिए आम के पेड़ों की एक बड़ी हरित पट्टी भी लगाई गई।

स्थानीय वास्तुकला के आधार पर शहर में निर्माण कार्य का विस्तृत मानकीकरण भी एक बड़ा कदम साबित हुआ।

एक छोटी नदी पर डैम बांधकर सुखना झील के निर्माण के साथ बड़े भवनों के पास जल निकायों का विकास जैसे कदम इस शहर को आदर्श बनाते हैं।

ग्रीन पहल करनी होगी यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़े खतरों के बीच भारी ट्रैफिक जैसी समस्याओं ने शहरों के बसाव और उनसे जुड़े मानकों को तकरीबन धराशायी कर दिया है। फिलहाल शहरों की जो स्थिति है उसमें कुछ जरूरी हरित उपायों पर सख्ती से विचार करना होगा। सार्वजनिक परिवहन अपनाना, निजी वाहनों का उपयोग कम करना और लैंडफिल के आकार को कम करना ऐसे ही उपाय हैं।

कुल मिलाकर हमें मौसम की परिवर्तनशीलता और शहरी ताप प्रबंधन के लिए एक समन्वित और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस बीच, हम लगातार अल निनो प्रभावित मॉनसून की तरफ बढ़ रहे हैं, जो सीमांत किसानों और शहरी प्रवासियों/मजदूरों के लिए अशुभ है। हम एक चुनावी वर्ष में भी जा रहे हैं। खुद को भारी तपिश के बीच छोड़ देने की लाचारी झेल रही जनता नेताओं की बातों को कितनी गंभीरता से लेगी, अंदाजा लगाया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता साफ

शिंदे -फडणवीस के मंत्रिमंडल का जल्द होगा विस्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष के मामले में गुरुवार के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद एकनाथ शिंदे -देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता साफ हो गया है.राज्य में करीब दस महीने पहले बनी शिंदे - फडणवीस की सरकार को समर्थन करने वाले शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने का मामला न्यायालय में विचाराधीन था जिसके कारण मंत्रिमंडल विस्तार
करने में सरकार को अड़चने आ रही रही थी.अब जब न्यायालय ने शिंदे सरकार को वरदान देते हुए अपना फैसला सुनाया है. तो शिंदे और फडणवीस अब अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते है. शिंदे सरकार मंत्रिमंडल का विस्तार इसलिए नहीं कर रही थी क्योंकि उनके सरकार को समर्थन देने वाले 16 विधायकों की सदस्यता पर तलवार लटक रही थी जो न्यायालय के फैसले के बाद अब दूर हो गई है.क्योंकि न्यायालय ने विधायकों के अयोग्य का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को दे दिया है.

जल्द होगा मंत्रिमंडल का विस्तार - सीएम शिंदे सत्ता संघर्ष मामले में गुरुवार को आए फैसले से खुश मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब हमारी सरकार को कोई खतरा नहीं है.विपक्ष बार बार हमारी सरकार को असैंवधानिक बता रही थी.जिसे न्यायालय ने जवाब दिया है. न्यायालय के फैसले आने के बाद आयोजित पत्रकार परिषद को सीएम संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि 16 विधायकों का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण हम पिछले दस महीने से मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं कर पा रहे थे अब जब न्यायालय का फैसला आ गया है तो जल्द से जल्द मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे।सीएम ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से ही मंत्रिमंडल का विस्तार को लेकर चल रही चर्चा जल्द समाप्त होने वाली है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी लोकसभा,विधानसभा के साथ - साथ मुंबई मनपा सहित अन्य चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस महीने के अंत तक मंत्रिमंडल का विस्तार कर देंगे क्योंकि दोनों पार्टी के नेता विधायक और उनसे जुड़े समर्थक मंत्रिमण्डल विस्तार न होने के कारण नाराज चल रहे है.इसके साथ -साथ शिंदे -फडणवीस के सामने चुनाव है ऐसे में अगर वे मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं करते है उसे लटकाते है तो चुनाव में पार्टी के लिए भारी पड़ेगा।

यह न्याय और लोकतंत्र की विजय

नारायण राणे का बयान

मुंबई। सत्ता संघर्ष पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न्याय और लोकतंत्र की विजय है। यह बयान केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे ने दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद को वे संबोधित कर रहे थे राणे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हमारी सरकार दोबारा आएगी इस प्रकार की भविष्यवाणी करने वालों को जमकर तमाचा लगा है। शिंदे-फडणवीस सरकार के पक्ष में कोर्ट का फैसला आने से कई लोगों के पेट में दर्द शुरू हो गया है। उद्धव ठाकरे और उनके कुछ सहयोगी नैतिकता की भाषा बोल रहे हैं। परंतु 2019 के चुनाव परिणाम के दौरान भाजपा-शिवसेना गठबंधन को बहुमत का जनादेश मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री पद की कुर्सी के लालच में ठाकरे ने हिंदुत्व और नैतिकता को छोड़ते हुए कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ घर बसाया।

भाजपा के साथ विश्वासघात करने वालों को नैतिकता की सलाह देने का अधिकार नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा की न्यायालय के निर्णय के बाद प्रतिक्रिया देते वक्त उद्धव ठाकरे ने जो बयान दिया है। यदि उस पर गौर किया जाये, तो संविधान की बुनियादी जानकारी भी उद्धव ठाकरे को नहीं है यह बात स्पष्ट होती है। आगामी लोकसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे अपनी ताकत पर एक सांसद जीतकर दिखायें। राणे ने

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (Devendra Fadnavis) का अभिनंदन किया। शिंदे-भाजपा सरकार (Shinde-BJP government) अब आने वाले दिनों में राज्य को और प्रगति पथ पर ले जायेगी। इस दौरान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गणेश हाके,अतुल शाह और अन्य लोग उपस्थित थे.

भगत सिंह कोश्यारी ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर दी सफाई

मुंबई: महाराष्ट्र के सियासी संकट पर सुप्रीम फैसले का देशभर को बेसब्री से इंतजार था। 16 विधायकों की अयोग्यता का केस सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर दिया है। हालांकि इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की शुरुआत में उद्धव गुट को जरूर कुछ राहत देने वाली बात कही। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने व्हिप को लेकर पार्टी नेता के फैसले पर जोर दिया। इसके साथ ही साथ महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ने पूर्व राज्यपाल के फैसले पर भी सवाल खड़े किए। जिस पर भगत सिंह कोश्यारी ने सफाई पेश की है। विधायकों की अयोग्यता मामले पर देश के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संवैधानिक पीठ ने सुनवाई की। जिसमें कहा गया कि अगर पार्टी के अंदर किसी तरह का असंतोष है तो यह उसका अंदरूनी मामला है। ऐसे में राज्यपाल की ओर से फ्लोर टेस्ट बुलाना कतई सही नहीं है। क्या बोले पूर्व राज्यपाल कोश्यारी महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि मैं सिर्फ संसदीय और विधायी परंपरा जानता हूं। उसी हिसाब से मैंने तब जो कदम उठाए सोच-समझकर उठाए। उद्धव ठाकरे के इस्तीफे को लेकर भी कोश्यारी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि, 'जब इस्तीफा मेरे पास आ गया तो मैं क्या कहता कि मत दो इस्तीफा? दरअसल राज्यपाल ने शिंदे गुट की बगावत के बाद तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे को फ्लोर टेस्ट का बुलावा दिया था। जिसके बाद उद्धव ने पद से इस्तीफा दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा नहीं दिया होता तो महाराष्ट्र में उनकी सरकार को बहाल किया जा सकता था। देश के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि उद्धव ठाकरे को फ्लोर टेस्ट का सामना करना चाहिए था। बेंच की इस टिप्पणी के बाद साफ है कि उद्धव ठाकरे अगर इस्तीफा देने की जल्दबाजी नहीं की होती तो वे महाराष्ट्र के दोबारा सीएम बन सकते थे।

महाराष्ट्र में बनी रहेगी शिंदे सरकार!

उद्धव इस्तीफा नहीं देते तो हम राहत दे सकते थे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने पिछले साल जून में महाराष्ट्र में घटे राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर उद्धव गुट बना शिंदे गुट मामले में अपना फैसला सुना दिया. स्पीकर के खिलाफ अगर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, तो क्या वह विधायकों की अयोग्यता की अर्जी का निपटारा कर सकते हैं? अब इस मुद्दे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की पीठ करेगी. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि 2016 का नबाम रेबिया मामला, जिसमें कहा गया था कि स्पीकर द्वारा अयोग्य ठहराने की कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है, अगर उनके निष्कासन का प्रस्ताव लंबित है, इसमें एक बड़ी पीठ के संदर्भ की आवश्यकता है. इसे बड़ी बेंच के पास भेजाजाना चाहिए. अब इस मुद्दे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की पीठ करेगी. शिंदे गुट द्वारा नियुक्त व्हिप भरतशेट गोगावले को शिवसेना के व्हिप के तौर पर मान्यता देने के स्पीकर के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने गलत बताया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्पीकर की कार्रवाई की वैधता की जांच करने से अदालतों को अनुच्छेद 212 से बाहर नहीं किया जा सकता है. सीजेआई ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि व्हिप राजनीतिक पर्टी द्वारा जारी किया जाता है और संविधान की 10वीं अनुसूची में आता है. 21 जून, 2022 को शिवसेना विधायक दल के सदस्य मीटिंग करते हैं और एकनाथ शिंदे को पद से हटाते हैं. स्पीकर को राजनीतिक दल द्वारा नियुक्त व्हिप को ही मान्यता देनी चाहिए थी, न की शिंदे गुट द्वारा नियुक्त व्हिप भरतशेट गोगावले को. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भरतशेट गोगावले (शिंदे समूह) को शिवसेना पार्टी के मुख्य सचेतक के रूप में नियुक्त करने का स्पीकर का फैसला अवैध था. गर्वनर का फ्लोर टेस्ट बुलाना असंवैधानिक था: सुप्रीम कोर्ट तत्कालीन गवर्नर द्वारा फ्लोर टेस्ट बुलाने को भी सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक माना. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'गवर्नर के समक्ष ऐसा कोई दस्तावेज नही था, जिसमें कहा गया हो कि बागी विधायक सरकार से अपना समर्थन वापस लेना चाहते हैं. केवल सरकार के कुछ फैसलों में मतभेद था. गवर्नर के पास केवल एक पत्र था, जिसमें दावा किया गया था कि उद्धव सरकार के पास पूरे नंबर नहीं हैं. फ्लोर टेस्ट को किसी राजनीतिक दल के अंदरूनी विवाद या मतभेद को हल करने के लिए एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. न तो संविधान और न ही कानून राज्यपाल को राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने और अंत: पार्टी विवादों में भूमिका निभाने का अधिकार देता है.' उद्धव इस्तीफा नहीं देते तो हम राहत दे सकते थे: सुप्रीम कोर्ट

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने 5 सदस्यीय संविधान पीठ का फैसला पढ़ते हुए कहा, 'राज्यपाल ने शिवसेना के विधायकों के एक गुट के प्रस्ताव पर भरोसा करके यह निष्कर्ष निकाला कि उद्धव ठाकरे अधिकांश विधायकों का समर्थन खो चुके हैं.

'द केरल स्टोरी' 12 को 37 देशों में रिलीज होगी

नई दिल्ली। 'द केरल स्टोरी' की मुख्य अभिनेत्री अदा शर्मा ने बुधवार को कहा कि यह फिल्म 12 मई को 37 देशों में रिलीज होगी। धर्मांतरण के विषय पर बनी इस फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर देश में राजनीतिक विमर्श छिड़ गया है, जिसके कारण कुछ राज्यों ने फिल्म को प्रतिबंधित कर दिया है और कुछ राज्यों ने इसे कर मुक्त कर दिया है। 'द केरल स्टोरी' ने शुक्रवार को रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर 56 करोड़ रुपये की कमाई की है। शर्मा ने ट्विटर पर फिल्म का समर्थन करने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'आप सभी करोड़ों लोगों को धन्यवाद जो हमारी फिल्म देखने जा रहे हैं, इसे ट्रेंड कराने के लिए धन्यवाद, मेरे प्रदर्शन को प्यार देने के लिए धन्यवाद।

ट्रेड यूनियन पहलवानों की आवाज पूरे देश में पहुंचाएंगी

नई दिल्ली। ट्रेड यूनियन नेताओं ने पहलवानों से मिलकर उनके आंदोलन को अखिल भारतीय आंदोलन बनाने के लिए मदद करने का आश्वासन दिया है। बुधवार को अमरजीत कौर (महासचिव एटक), अशोक सिंह (उपाध्यक्ष इंटक), सिंधु (सचिव सीटू), संतोष रॉय(सचिव एआईसीटीयू), लताबेन (सचिव दिल्ली सेवा), धर्मेंद्र (सचिव यूटीयूसी), कुलदीप (दिल्ली आईएनटीयूसी) जंतर मंतर पर जाकर पहलवानों से मिले थे। वहां इन नेताओं ने पहलवानों के समर्थन में भाषण भी दिए। बाद में संयुक्त ट्रेड यूनियन ने एक बयान जारी करके दोहरे मापदंड की आलोचना करते हुए कहा कि पॉक्सो एक्ट के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। वह रेसलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का अध्यक्ष बना हुआ है और सार्वजनिक रूप से कहता है कि जब तक प्रधान मंत्री उन्हें नहीं कहेंगे तब तक वह इस्तीफा नहीं देंगे।

कोरोना जांच के लिए एआई लैस 'ब्रीथलाइजर' विकसित

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने लेजर आधारित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस एक नई 'ब्रीथलाइजर' जांच विकसित की है, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह अत्यधिक सटीकता से वास्तविक समय पर कोरोना संक्रमण का पता लगा सकता है। यह उसी तरह का उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पुलिस सांस में अल्कोहल की मात्रा का पता लगाने के लिए करती है। अमेरिका स्थित कोलोरैडो बोल्डर यूनिवर्सिटी के एक दल ने कोविड की जांच के लिए नए विकसित किए गए 'ब्रीथलाइजर' से चिकित्सकीय जांच में क्रांति आने की उम्मीद जताई है। इस उपकरण में, एक अणु को दूसरे अणु से अलग करने के लिए लेजर प्रकाश का इस्तेमाल किया जाता है। विवि के पीएचडी के छात्र एवं अध्ययन के प्रथम लेखक छिहोंग लियांग ने कहा, हमारे अनुसंधान के नतीजे कोरोना संक्रमण की जांच के लिए एक वैकल्पिक और तीव्र उपाय तथा रोग का पता लगाने की इसकी उल्लेखनीय क्षमता को प्रदर्शित करते हैं।

सायबर फ्रॉड को देखते हुए पुलिस की एडवाइजरी जारी

वाट्सअप इस्तेमाल पर जारी की गई एडवाइजरी

मुंबई : मुंबई से सटे मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस ने सायबर फ्रॉड को देखते हुए, वाट्सअप इस्तेमाल करनेवालों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिसके तहत वाट्सअप इस्तेमाल करनेवाले लोगों को सुरूवाती नंबर बताए गए हैं। जिससे वाट्सअप कॉल (whatsapp call) आने पर उसे अटेंड न करने या उपकर रिस्पॉन्स न करने के लिए कहा गया है। पुलिस द्वारा जारी किए गए एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों से पता चल रहा है कि लोगों को अंतराष्ट्रीय नंबर से कॉल आ रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय नंबर +84, +62, +60 और +92 से शुरू होने वाले होते हैं। इन नंबरों से फोन आने कब बाद कुछ न कुछ करके मोबाइल या कंप्यूटर का एक्ससे प्राप्त कर लिया जाता है और फिर उन्हें सायबर ठगी का शिकार बनाया जाता है। जिन आईएसडी कोड से फोन आते हैं वो बताते हैं कि व्हाट्सएप उपयोगकर्ता मलेशिया, केन्या, वियतनाम और इथियोपिया जैसे देशों से लगातार फोन प्राप्त होते हैं। किसी भी लिंक पर क्लिक न करें जारी किए गए एडवाइजरी (Advisory) में यह भी कहा गया है कि किसी भी अज्ञात नंबर से आये फोन या लिंक पर क्लिक न करें।

ऐसा करने से आरोपी आपके मोबाइल का एक्ससे प्राप्त कर सकते हैं और आपके महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त कर आपके साथ ठगी ककर सकते हैं। आपकी बैंक डिटेल्स और ओटीपी प्राप्त कर अकाउंट भी साफ कर सकते हैं। वन स्टेप वेरिफिकेशन करें चालू अगर आप वाट्सअप का इस्तेमाल करते हैं तो आप अपने मोबाइल पर टू स्टेप वेरिफिकेशन चालू रखें। इसके अलावा अज्ञात नंबर स्व कॉल आनेपर किसी भी प्रकार की ओटीपी उससे शेयर न करें और अगर गलती से आपके साथ सायबर फ्रॉड हो गया है तो तुरंत 1930 नंबर या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

दिल्ली से मुंबई पहुंचकर डिजाइनर ड्रेस चुरानेवाली गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस ने चोरों के रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक महिला दिल्ली से मुंबई कार से आती थी और महंगे डिजाइनर ड्रेस और साड़ियां मुंबई में चोरी कर फिर से दिल्ली लौट जाती थी। पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपियों के साथ ड्राइवर भी मिला हुआ है, जो कार दिल्ली से चलाकर मुंबई लेकर आता था। मामले में तीन आरोपियों की तलाश में पुलिस अभी भी कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना में कुल चार महिलाएं शामिल है। यह महिलाएं एक ड्राइवर जो आरोपियों में से महिला का रिश्तेदार है, उसे लेकर दिल्ली से मुंबई गाड़ी में पहुंचते थे। पुलिस ने जिस महिला को गिरफ्तार किया हुआ है उसका नाम राजबाला बताया जा रहा है, महिला ने डेढ़ लाख रुपए का डिजाइनर ड्रेस काला घोड़ा की एक दुकान से चुराया था। इसकी जानकारी दुकानदार को तब मिली, जब वह दुकान बंद करने लगा। जिसके बाद उसने एमआरए मार्ग पुलिस थाने में संपर्क किया और मामले में एफ आई आर दर्ज करवाई। महंगे ड्रेस चुराती थी महिलाएं राजबाला (raj Bala) की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब उससे जांच की, तब पता चला कि इनका एक गिरोह है, जो महंगे ड्रेस और साड़ियां चुराता है।

SC के फैसले से बढ़ी सीएम केजरीवाल की पावर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर कई तंज कसे। फडणवीस ने कहा कि उद्धव के पास सरकार बचाने का सही नंबर था ही नहीं, इसलिए उनका जाना तय था। वहीं, दिल्ली का असली बॉस कौन होगा इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में जो केस चल रहा था उस पर गुरुवार को फैसला आ गया है। इधर, पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अरुण सिंह ने आरसीपी सिंह को भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। अब तक की प्रमुख खबरों पर एक नजर 1. नैतिकता नहीं, हार की शर्म से बचने के लिए उद्धव ने दिया इस्तीफा-फडणवीस महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर कई तंज कसे। फडणवीस ने कहा कि उद्धव के पास सरकार बचाने का सही नंबर था ही नहीं, इसलिए उनका जाना तय था।

इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं तो डिमेंशिया का कम हो सकता है खतरा, वृद्ध लोगों में देखे गए बेहतर परिणाम

राज के.वेगड़

तेजी से दौड़ती-भागती इस दुनिया में इंटरनेट हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। ऑफिस के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया पर लोगों से जुड़े रहने तक में यह हमारे लिए काफी आवश्यक बन गया है। इंटरनेट सिर्फ आपको मौजूदा दुनिया से जोड़कर ही नहीं रखता है, यह आपमें डिमेंशिया के जोखिम को कम करने वाला भी एक कारगर तरीका हो सकता है। हाल ही में जर्नल ऑफ अमेरिकन गेरिएट्रिक्स सोसाइटी में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने बताया कि जो वृद्ध लोग, नियमित इंटरनेट का उपयोग करते हैं, उनमें समय के साथ विकसित होने वाले डिमेंशिया रोग का खतरा कम हो सकता है। वैज्ञानिकों ने अमेरिकी वृद्ध लोगों में नियमित इंटरनेट के उपयोग को वरदान के रूप में उल्लेखित किया है। डिमेंशिया का जोखिम 60 साल की आयु के बाद काफी बढ़ जाता है, इसमें लोगों के लिए चीजों को याद रखना, निर्णय लेना और समस्याओं का हल निकाल पाना काफी कठिन हो सकता है। इंटरनेट आखिर डिमेंशिया रोग के जोखिम को कैसे कम करता है? आइए इस अध्ययन के माध्यम से जानने की कोशिश करते हैं। इंटरनेट और मानसिक स्वास्थ्य विकारों का जोखिम युवा पीढ़ी हर दिन ऑनलाइन कार्यों में लंबा

समय बिताती है, लेकिन अब वृद्ध लोगों पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि नियमित इंटरनेट का उपयोग वास्तव में ऐसे लोगों के लिए वरदान हो सकता है, जो डिमेंशिया के दीर्घकालिक जोखिम को कम करने वाला पाया गया है।

न्यूयॉर्क शहर स्थित न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि इंटरनेट के नियमित उपयोगकर्ताओं ने गैर-नियमित उपयोगकर्ताओं की तुलना में डिमेंशिया के जोखिमों को कम अनुभव किया। इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की जांच यह जांचने के लिए कि इंटरनेट का उपयोग डिमेंशिया के जोखिम को कैसे प्रभावित कर सकता है, अध्ययन की टीम ने 18,000 से अधिक अमेरिकी लोगों को शामिल किया। 2002 में जब अध्ययन शुरू हुआ तब सभी की उम्र 50-65 के बीच थी और इनमें डिमेंशिया का खतरा नहीं था। हर दो साल में सभी प्रतिभागियों का टेस्ट किया गया।

अध्ययन के लेखक गवन चो कहते हैं, अध्ययन की शुरुआत में लगभग दो-तिहाई प्रतिभागी नियमित इंटरनेट उपयोगकर्ता थे, जबकि एक तिहाई इससे दूर थे।

शोध में क्या पता चला? अध्ययन के अंत में पाया गया कि करीब 5% प्रतिभागियों में डिमेंशिया विकसित हुआ। 87% से अधिक लोगों को मानसिक रूप से स्वस्थ पाया गया। अधिकांश प्रतिभागियों ने समय के साथ अपनी इंटरनेट आदतों में बदलाव कर लिया। टीम ने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग इंटरनेट से अब भी दूर थे उनमें से 10% से अधिक लोगों में इस रोग का जोखिम पाया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इंटरनेट का इस्तेमाल, सोशल आइसोलेशन के जोखिमों को कम करने मदद करता है, डिमेंशिया के लिए यह एक प्रमुख जोखिम कारक रहा है। शोध के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों का कहना कि इंटरनेट हमें एक आभासी दुनिया से जोड़े रखता है, इसके माध्यम से हम नए लोगों से मिलते हैं, नई-नई जानकारियां प्राप्त करते हैं जिससे अल्जाइमर रोग का खतरा कम होता है। यह आपको डिमेंशिया से भी बचाता है। इसके अलावा लोग नियमित शारीरिक गतिविधि, हृदय स्वास्थ्य की देखभाल और पर्याप्त नींद लेने जैसे जीवनशैली की आदतों को अपनाकर संज्ञानात्मक गिरावट के अपने जोखिम को कम कर सकते हैं।

फायदेमंद होने के साथ करेला है नुकसानदायक भी, जानें कैसे

स्वस्थ रहने के लिए बड़े बुजुर्ग हरी सब्जी और फलों के सेवन की सलाह देते हैं। फल और सब्जी खाने से स्वस्थ रहते हैं। फलों और सब्जियों में कई तरह के पौष्टिक तत्व होते हैं। दादी नानी अक्सर बच्चों को करेला खाने की सलाह देते हैं। करेला कड़वा होता है लेकिन कई गुणों से धनी होता है। करेले के सेवन के कई फायदे हैं। करेला का सेवन लाभकारी है। करेला खाने से वजन कम होता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। हृदय रेट को भी स्वस्थ रखने में करेला मददगार है। लेकिन अगर आपको लगता है कि करेला का अधिक सेवन ज्यादा सेहतमंद रखेगा तो आप गलत हैं। किसी भी चीज की अधिकता नुकसानदायक हो सकती है। करेला भी ज्यादा खाने से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। चलिए जानते हैं करेला खाने के फायदे और नुकसान के बारे में।

करेला खाने के फायदे

करेले के पत्ते का रस में हल्दी मिलाकर लगाने से रूसी की समस्या खत्म हो सकती है। महिला या पुरुष कोई भी करेले का सेवन डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए कर सकते हैं।

आवाज बैठने पर करेला उपयोगी

जब आपका गला किसी कारण से बैठ जाए या आवाज खराब हो जाए तो उसे सही करने के लिए करेला फायदेमंद होता है। करेला के जड़ के पेस्ट को शहद और तुलसी के रस में मिलाकर सेवन करें।

जुकाम और कफ में करेला फायदेमंद

अगर आपको रोग की समस्या है, या कफ व जुकाम है तो करेले का सेवन करने से जल्द राहत मिलती है।

करेला खाने के नुकसान

लो शुगर लेवल में नुकसानदायक

डायबिटीज रोगियों के लिए करेले का सेवन फायदेमंद है। करेला खाने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। लेकिन लोगों का शुगर लेवल लो होता है, उन्हें करेले का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। इससे ब्लड शुगर लेवल और कम हो सकता है। साथ ही हीमोलिटिक एनीमिया होने का खतरा बढ़ सकता है।

गर्भस्थ शिशु के लिए करेले का असर

गर्भावस्था के दौरान करेले का

चार्ल्स पटेल

सेवन नहीं करना चाहिए। ज्यादा करेला खाने से गर्भस्थ शिशु को नुकसान हो सकता है। अगर गर्भवती महिलाएं प्रतिदिन करेले का जूस पीती हैं तो इसे कम कर दें।

लिवर के लिए नुकसानदायक

रोजाना करेले का सेवन लिवर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। करेला में लैक्टिन पाया जाता है। करेले के सेवन से लिवर में प्रोटीन का संचार रूक सकता है। इसलिए नियमित तौर पर करेले का सेवन न करें।

डायरिया हो सकता है

करेला ज्यादा खाने से डायरिया या उल्टी की समस्या बढ़ सकती है। जो माता पिता करेले के फायदे बताकर हर दिन बच्चों को खिलाते हैं, उन्हें रोजाना करेला के सेवन से बचना चाहिए।

गर्म पानी पीना सेहत के लिए कितना असरदार? जानें इसके फायदे और नुकसान

महेक जोबनपुत्रा

पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से कई सारी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। हालांकि कहा जाता है कि ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी ज्यादा सेहतमंद होता है। इस कारण लोग अक्सर गर्म पानी पीते हैं। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, वह भी गर्म पानी का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि गर्म पानी ज्यादा पीने से वजन कम होता है। गले में खराश, सर्दी -खांसी और जुकाम में भी लोग गर्म पानी पीते हैं। लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा और गर्म पानी पीने के मुकाबले में नॉर्मल पानी पीना ज्यादा असरदार है। कब्ज की शिकायत होने पर भी लोग सुबह गर्म पानी पी लेते हैं। लेकिन अधिक गर्म पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि गर्म पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद और कितना नुकसानदायक हो सकता है? चलिए जानते हैं गर्म पानी के सेवन का सेहत पर असर।

गर्म पानी पीने के फायदे

कब्ज से राहत

हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

वजन घटाने के लिए

भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख भी नहीं लगती।

पाचन तंत्र में सुधार

पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

गर्म पानी पीने के नुकसान

अधिक गर्म पानी के सेवन से आपको कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं, जैसे

किडनी पर असर

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

नींद पर असर

रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होती है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन की शिकायत

एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स पर असर

हद से ज्यादा पानी रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स कोशिकाओं की तुलना में अधिक पतला कर सकता है। रक्त और कोशिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रक्त पानी कोशिकाओं में खींचा जाएगा। इससे कोशिकाओं में सूजन आती है और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है। सिरदर्द और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह आप पर काम का दबाव अधिक रहेगा। नए काम करने में रुचि रहेगी लेकिन उसे पूरा करने के लिए मेहनत अधिक करनी होगी। इस सप्ताह संपत्ति से संबंधित कार्यों में लाभ होगा किंतु अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे।

वृषभ : सप्ताह का प्रारंभ शुभ कार्यों से होगा। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह शुभ है। धन का संचय होगा, नए निवेश करेंगे। अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। कार्यस्थल पर उच्चाधिकारियों से तालमेल अच्छा रहेगा। व्यापार में नई स्थितियां बनेंगी। आत्मविश्वा से भरपूर रहेंगे।

मिथुन : सप्ताह का प्रारंभ शुभ होगा। भागदौड़ रहेगी लेकिन अच्छी बात यह है कि भागदौड़ शुभ कार्यों में ही होगी। पारिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा। दांपत्य और प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। व्यापार में पक्ष में स्थितियां बनेंगी, नौकरी में लाभ के अवसर मिलेंगे।

कर्क : सप्ताह सामान्य है। कार्यस्थल पर इस बार माहौल आपके पक्ष में रहेगा। उन्नति के अवसर मिलेंगे। व्यापारी वर्ग भी प्रसन्न रहेगा। किसी मामले में निर्णय आपके पक्ष में आने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। दांपत्य और प्रेम संबंध मजबूत होंगे। पारिवारिक स्थितियां अनुकूल रहेंगी। परिवार के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बनेगा।

सिंह : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक स्थितियां भी आपके पक्ष में रहेंगी। स्वजन का सहयोग मिलेगा। अचानक कहीं से धन की आवक होने से कर्ज मुक्ति के योग बनेंगे। संपत्ति के कार्यों में तेजी आएगी। नए लोगों से संपर्क होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।

कन्या : इस सप्ताह आप कुछ निर्णय लेने में जल्दबाजी करेंगे जिससे काम बिगड़ सकते हैं। सिरदर्द से परेशान रहेंगे, इससे कई काम प्रभावित हो सकते हैं। कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग नहीं मिलने से परेशानी बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए समय ठीक है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षा में बैठे हैं उन्हें शुभ सूचना मिलेगी। पारिवारिक कार्यों से यात्राएं हो सकती हैं। निवेश के लिए समय ठीक है।

तुला : सप्ताह शुभ है। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। लंबे समय से जिस काम के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे वह पूरा होने वाला है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। वैवाहिक जीवन में कड़वाहट दूर होगी। धन की आगमन होने के योग हैं। इससे कुछ बड़ी जरूरतें पूरी कर सकेंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। पारिवारिक और दांपत्य जीवन के लिए समय उत्तम है। प्रेम संबंध भी मजबूत होंगे। निवेश की योजना बनेगी। शेयर और बीमा क्षेत्र से लाभ के योग। विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। जॉब में उचित अवसर मिलेंगे।

धनु: इस सप्ताह आपको अपना व्यवहार संतुलित रखना होगा। अपनी वाणी और क्रोध को नियंत्रण में रखें। अचानक धन प्राप्ति की किसी भी योजना से दूर रहें। काम आपके अनुसार नहीं होने से मन खिन्न रहेगा। स्वास्थ्य भी डगमगा सकता है। जॉब की बात करें तो कोई बड़ा पद मिलने के योग बनेंगे। प्रमोशन के साथ स्थानांतरण भी हो सकता है।

मकर : सप्ताह की शुरुआत शुभ समाचार से होगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। नए कार्यों के लिए समय अनुकूल रहेगा। व्यापार उन्नति करेगा, नए लोगों के साथ नए अनुबंध हो सकते हैं। शुभ यात्राओं के योग बनेंगे। पुराने अटके हुए कार्य पूरे होने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उपचार पर धन खर्च होगा।

कुंभ : आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह अति उत्तम रहेगा। अपने अच्छे व्यवहार से दूसरों को अपना बना लेंगे। आपके कार्य और व्यवहार के कारण सम्मान, पुरस्कार मिल सकता है। नए कार्य के लिए सप्ताह लाभदायक है। नए लोगों से जुड़ेंगे। संपत्ति में निवेश करना लाभदायक रहेगा। युवाओं को विदेश से जॉब अवसर मिल सकते हैं।

मीन : सप्ताह आपके पक्ष में रहेगा। जॉब में नई संभावनाएं बन रही हैं। भूमि, भवन संपत्ति के कार्य होंगे और उनसे लाभ कमाएंगे। पुराना अटका हुआ पैसा लौट आने के योग बनेंगे। जीवनसाथी के साथ इस सप्ताह संबंधों में सुधार आएगा। उनके साथ लंबी दूरी की यात्राएं कर सकते हैं। इस सप्ताह भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। महिलाओं को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। रक्त संबंधी परेशानी आ सकती है।

चुटकुले

टीचर- भारत की सबसे खतरनाक नदी कौन सी है?
स्टूडेंट (पप्पू) - भावना।
टीचर- कैसे?
स्टूडेंट- क्योंकि सब इसमें बह जाते हैं।
टीचर बेहोश!

लड़की- Score कितना हुआ है?
लड़का- I Love You 2
लड़की- क्या बकवास कर रहे हो.
लड़का- पगली 143 पर 2...
Indian IPL है बॉस कुछ भी हो सकता है।

डॉ पी वी शेट्टी, क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स द्वारा इंडिया कप नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 2023 की ट्रॉफी का अनावरण

मुम्बई, मुम्बई में स्थित सचिन तेंदुलकर जिमखाना में हुए एक भव्य समारोह में इंडिया कप नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 2023 को लॉच किया गया। मुंबई के मशहूर उद्योजक संतोष नानेकर इंकेद्वारा TENNISCRICKET.in प्रेजेंट्स इंडिया कप नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 2023 अपनी तरह की पहली लीग है जिसमें 8 राज्यों की टीम हिस्सा लेंगी। नीलेश भिंताड़े स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस लीग में जेवीए ब्रदर्स का सहयोग है। इसके टाइटल स्पॉन्सर दुबई बुक डॉट गेम्स हैं। इस अवसर पर यहाँ हर टीम की जर्सी का अनावरण किया गया साथ ही ट्रॉफी भी अनवील की गई। 24 से 27 मई 2023 तक डॉ बाबा साहेब अंबेडकर स्टेडियम पुणे में इस लीग का आयोजन होगा। यहां मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पी वी शेट्टी (आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य) और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर जेमिमा रोड्रिग्स, मिस्टर रोड्रिग्स (भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच) मौजूद थे। इंडिया कप नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के ऑर्गनाइजर संतोष नानेकर, नीलेश भिंताड़े, सचिन बाड़, विजय अग्रवाल, श्री दिव्येश हैं। जो आठ टीमों के बीच मुकाबला होगा उनके नाम हैं बंगाल ब्रदर्स वेस्ट बंगाल, यूपी योद्धा, धमाका क्लब, महाराष्ट्र वारियर्स, एमएमसीसी संबलपुर, शिरसत स्पोर्ट्स, मुम्बई किंग्स, बालाजी गुजरात। महेंद्र सिंह धोनी और ज़हीर खान जैसे खिलाड़ी टेनिस क्रिकेट से ही आगे आए हैं। इसी को आगे ले जाने के लिए इंडिया कप का आयोजन किया जा रहा है। इसमे विजेता टीम को 7 लाख रुपए नकद, उपविजेता को 4 लाख रुपए, मैन आफ द सीरीज को रॉयल एनफील्ड का बाइक, बेस्ट गेंदबाज और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को 50-50 हजार रुपए का इनाम मिलेगा।

एमआईटी- डब्ल्यूपीयू ने लॉन्च किया 'दादासाहेब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल

प्रसिद्ध फिल्म व्यक्तित्व श्री नाना पाटेकर और प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता श्री अभिजीत पांनसरे ने अनावरण किया

मुंबई, : भारतीय सिनेमा के पितामह दादासाहेब फालके की 153वीं जयंती पर एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी ने महाराष्ट्र के शिक्षा क्षेत्र में अपनी 40+ साल की विरासत के नवीनतम संस्थान दादासाहेब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल (डीपीआईएफएस) का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध फिल्म व्यक्तित्व श्री नाना पाटेकर और प्रसिद्ध फिल्म निर्माता श्री अभिजीत पांनसरे ने भाग लिया, जो डीपीआईएफएस के रचनात्मक निदेशक के रूप में काम करेंगे। आयोजन के अवसर पर, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ने B.A फिल्म निर्माण का एक नया अंडरग्रेजुएट ऑनर्स प्रोग्राम लॉन्च किया। निर्देशन, अभिनय, छायांकन और ध्वनि डिजाइन में विशेषज्ञता के साथ, यह कार्यक्रम एक तरह की पेशकश होने का वादा करता है जहां फिल्म और थिएटर के प्रमुख दिग्गज छात्रों को अपने जुनून को पेशे में बदलने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। दादासाहेब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल में इसके सलाहकार के रूप में क्षेत्र के कई दिग्गज हैं, जिनमें श्याम बेनेगल, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, वामन केंद्रे, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, स्नेहा खानवलकर, संगीतकार, साथ ही एफटीआईआई और एनएसडी के कई वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं।

एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में मीडिया और संचार विभाग के निदेशक, फिल्म निर्माता, लेखक, कलाकार और लोकसभा टीवी के पूर्व कार्यकारी निदेशक धीरज सिंह दादासाहेब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल के निदेशक के रूप में काम करेंगे। इस कार्यक्रम में, उन्होंने फिल्म स्कूल का संबंध M A E E R के ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस से साझा किया, जिसकी विरासत चालीस वर्षों से अधिक है। उन्होंने कहा, "मैं यह साझा करना चाहता हूं कि दादा साहब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल श्री राहुल कराड की दूरदर्शिता की अभिव्यक्ति है। यह पुणे में एक स्कूल बनाने का उनका सपना है जो उच्च लक्ष्य रखता है, बड़े सपने देखता है, और भविष्य के फिल्म निर्माताओं को अपनी संस्कृति में मजबूत जड़ें बनाना चाहता है। श्री अभिजीत पांनसरे, डीपीआईएफएस के रचनात्मक निदेशक-प्रख्यात फिल्म निर्देशक ने स्कूल के पीछे मूलभूत दर्शन पर विस्तार से बताया,"अंग्रेजी नहीं आती तो फिल्म निर्माण या अभिनय नहीं आती क्या?" रेगे और ठाकरे जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक ने भारत में पश्चिम की तुलना में फिल्म निर्माण की संस्कृति में अंतर की ओर इशारा किया। उन्होंने वादा किया कि डीपीआईएफएस क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म शिक्षा तक पहुंच के साथ-साथ पश्चिम की सर्वश्रेष्ठ शैलियों और तकनीकों और पूर्व की संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाकर फिल्म शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत करेगा। दादासाहेब फालके इंटरनेशनल फिल्म स्कूल में, छात्र फिल्म निर्माण में एक अद्वितीय स्नातक कार्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं, जो निर्देशन, अभिनय, छायांकन और ध्वनि डिजाइन में विशेष ट्रैक प्रदान करता है। अपनी विशेषज्ञता चुनने से पहले, छात्र क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का पता लगा सकते हैं और सभी विशेषज्ञताओं में 13 फाउंडेशन प्रोग्राम और कई प्रोग्राम मेजर का अध्ययन करके अपने जुनून की खोज कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एक अंतिम वर्ष की इंटर्नशिप छात्रों को उद्योग में अपना वांछित करियर पथ प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगी। एनईपी 2020 के अनुसार, छात्रों के पास प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के बाद बाहर निकलने का विकल्प होगा और 4 साल बाद ऑनर्स की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। कला सिनेमा के शिल्प और मुख्यधारा की फिल्मों के वाणिज्य को एक साथ लाते हुए, डीपीआईएफएस हाथ से सीखने और जीवन भर की सलाह पर ध्यान देने के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म शिक्षा को सुलभ बनाएगा।

डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, दोनों दिशाओं में डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच तीन ट्रिपों के लिए ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार, 15 से 29 मई, 2023 तक ट्रेन सं. 07046 (सिकंदराबाद -डिब्रुगढ़) स्पेशल तीन ट्रिपों के लिए सिकंदराबाद से प्रति सोमवार को 11:00 बजे प्रस्थान कर डिब्रुगढ़ बुधवार को 20:50 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 18 मई से 01 जून, 2023 तक ट्रेन सं. 07047 (डिब्रुगढ़ - सिकंदराबाद) स्पेशल तीन ट्रिपों के लिए डिब्रुगढ़ से प्रति गुरुवार को 09:20 बजे प्रस्थान कर सिकंदराबाद शनिवार को 16:30 बजे पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान, विशेष ट्रेन शिमलगुड़ी जंक्शन, मरियानी जंक्शन, लामडिंग जंक्शन, गोवालपारा, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, खड़गपुर जंक्शन, भुवनेश्वर, पलासा, विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, गुंटूर और नल्लगोंडा स्टेशनों से होकर गुजरेगी। 22 कोचों वाली इस ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए एसी 2-टीयर, एसी 3-टीयर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे। दक्षिण भारत की ओर जाने वाली अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षासूची वाले यात्री इस समर स्पेशल ट्रेन की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन का ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा समाचारपत्रों एवं पू. सी. रेल के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी अधिसूचित किया जा रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले विवरण को ध्यानपूर्वक देख लें।

अहमदाबाद मंडल पर यूटीएस ऐप तथा एटीवीएम की सुविधा उपलब्ध

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल में यात्रियों की सुविधा के लिए यूटीएस ऐप तथा एटीवीएम (स्वचालित टिकिट वितरण मशीन) की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। अब रेल्वे का अनारक्षित (जनरल) टिकट प्राप्त करने के लिए यात्रियों को लाइन मे खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। अब यात्री स्वयं ही अपना अनारक्षित (जनरल) टिकट बुक कर अपना समय और पैसे दोनों बचा सकते हैं। अब यात्रीगण अपने मोबाइल फोन में यूटीएस ऐप डाउनलोड कर घर बैठे किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन तक का अनारक्षित (जनरल) टिकट बुक कर सकते हैं या स्टेशन पर उपलब्ध एटीवीएम (स्वचालित टिकिट वितरण मशीन) से भी किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन तक का टिकट स्वयं बुक कर यात्रा कर सकते हैं।

जी20 की श्रीनगर में बैठक के मद्देनजर जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू। श्रीनगर में जी20 की होने वाली बैठक से पहले, जम्मू क्षेत्र में, खासकर सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा एहतियात के तौर पर 10 से अधिक आर्मी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने घुसपैठ के मार्गों की पहचान की है और सीमा पार से किसी भी तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए सुरक्षा सख्त कर दी है तीसरा जी20 पर्यटन कार्यसमूह की बैठक 22 से 24 मई के बीच श्रीनगर में डल झील के पास शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित की जाएगी।

मध्यप्रदेश में हो रहा है बहनों का सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में बहनों का सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण हो रहा है। एक समय था जब यहाँ परिवार में कन्या को बोझ माना जाता था, आज वह वरदान हो गई है। लाड़ली लक्ष्मी योजना ने प्रदेश की 44 लाख 90 हजार कन्याओं को लखपति बनाया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गरीब कन्याओं का विवाह सरकार करवाती है। स्थानीय निकायों के निर्वाचन में बहनों को मिले 50 प्रतिशत आरक्षण से वे राजनीतिक रूप से सशक्त हुई है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनायेगी। बहनों को स्टांप शुल्क में छूट के प्रावधान से आज 45 प्रतिशत जमीन बहनों के नाम हो रही है। मंदसौर जिले के सीतामऊ में लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी किया। इसके पहले मुख्यमंत्री ने जिले के जवानपुरा में 2,374 करोड़ रूपये की लागत वाली कयामपुर-सीतामऊ दाबयुक्त वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का विधिवत भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने टोडरमल जी के जन्म-दिन पर ऐच्छिक अवकाश, नाहरगढ़ को नगर पंचायत बनाने और कयामपुर को तहसील बनाये जाने की घोषणा की। चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान-2 में 16 मई से गाँव-गाँव और वार्ड-वार्ड शिविर लगेंगे, जिनमें जनता को 67 प्रकार की सेवाओं का मौके पर लाभ मिलेगा। उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रशासन को निर्देश दिए कि अभियान में प्राप्त आवेदनों और सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों का 15 जुलाई तक निराकरण कर दिया जाए। आजकल कुछ लोग नकली योजनाएँ बना कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। जनता ऐसे ठगों से दूर रहे तथा उनके झाँसे में न आए। पिछली सरकार ने कर्ज माफी के नाम पर किसानों को डिफॉल्टर बना दिया। हमारी सरकार उनके ब्याज की राशि भर रही है, जिससे उन्हें सरकार की जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना का लाभ मिल सके। किसानों का ब्याज माफ करने के लिए 14 मई से फॉर्म भरे जाएंगे।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज

देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एवं राज्यसभा सदस्य रंजन गोगोई के खिलाफ असम पुलिस वर्क्स (एपीडब्ल्यू) के अध्यक्ष अभिजीत शर्मा ने यहां की एक अदालत में एक करोड़ रुपए की मानहानि का मामला दायर किया है। इसके साथ ही मिश्रा ने गोगोई की आत्मकथा पर रोक लगाने के अनुरोध वाली याचिका भी दायर की है। शर्मा ने आत्मकथा में उनके (शर्मा के) खिलाफ कथित भ्रामक और मानहानिकारक बयानों के लिए गोगोई और रूपा प्रकाशन के खिलाफ मानहानि का यह मामला दायर किया है। रूपा प्रकाशन ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश की आत्मकथा जस्टिस फॉर अ जज का प्रकाशन किया है। शर्मा ने गोगोई और उनके प्रकाशक को ऐसी किसी भी पुस्तक के

प्रकाशन, वितरण या बिक्री से रोकने के लिए अंतरिम आदेश देने का अनुरोध करते हुए एक याचिका भी दायर की है जिसमें शर्मा के खिलाफ कथित भ्रामक और मानहानिकारक बयान हों। मानहानि का मामला और पुस्तक पर रोक लगाने के लिए याचिका यहां कामरूप मेट्रो जिला अदालत में दायर की गई। मंगलवार को इस पर सुनवाई हुई और अदालत ने बुधवार को कहा कि याचिका और दस्तावेजों को देखने के बाद यह पाया गया कि कानून और तथ्य दोनों पर ठोस सवाल है, जिसका समाधान किया जाना है। अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता और प्रतिवादी दोनों को समन जारी करने का निर्देश दिया तथा सुनवाई की अगली तारीख तीन जून निर्धारित की। पुस्तक पर रोक के मामले में न्यायाधीश ने, संबद्ध पक्षों को समन जारी करने का निर्देश दिया और इसकी सुनवाई की भी तारीख तीन जून तय की। एपीडब्ल्यू असम में मतदाता सूची से अवैध प्रवासियों के नामों को हटाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने वाला पहला संगठन था, जिसके बाद पूर्वोत्तर राज्य में नागरिकों के राष्ट्रीय पंजी को अद्यतन किया गया था। शर्मा ने आरोप लगाया कि पुस्तक में उनके खिलाफ आरोप स्वाभाविक रूप से झूठे और दुर्भावनापूर्ण हैं और उन्हें बदनाम करने के स्पष्ट इरादे से लगाए गए हैं।

प. रेलवे महाप्रबंधक ने राइट्स के प्रबंध निदेशक के साथ इंदौर में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने बुधवार को उप मुख्य इंजीनियर निर्माण के कार्यालय में राइट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल मित्थल के साथ इंदौर क्षेत्र में चल रहे रेल प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। बैठक के दौरान रतलाम-खंडवा गेज कनवर्जन कार्य के अंतर्गत महू-मुख्त्यारा बलवाडा सेक्शन (71 केमी) व दाहोद - इंदौर नई लाइन के झाबुआ - धार सेक्शन (103 द्यद्व) की फाइनल लोकेशन सर्वे की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान निर्माण विभाग के वरीष्ठ अधिकारी तथा रतलाम मंडल के प्रबंधक भी मौजूद रहे। प्रजेंटेशन के दौरान बताया गया कि महू- मुख्त्यारा बलवाडा सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे लगभग पूरा हो चुका है। भौगोलिक स्थिति दुष्कर होने के कारण लोकेशन सर्वे के दौरान कई नई तकनीकों का प्रयोग किया गया है। उपयोग की गई तकनीकों में एलआईडीएआर का उपयोग तथा ड्रोन सर्वे शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त जियोफिजिकल सर्वे, जियो मैपिंग तथा एक्सप्लोरेटरी ड्रिलिंग का कार्य भी किया गया। कई स्थानों पर सर्वे कर्मचारियों ने जंगलों में पैदल चल कर सर्वे कार्य किया। इस खंड में नया अलाइनमेंट फाइनल किया जा चुका है तथा जियोटेक्निकल सर्वे का कार्य भी 80त्न पूरा हो चुका है। खंड में भूमि अधिग्रहण तथा फॉरेस्ट विभाग से क्लीयरेंस का कार्य भी प्रगति पर है। सेक्शन की फाइनल सर्वे रिपोर्ट 30 जून 2023 तक राइट्स लिमिटेड द्वारा तैयार करके प्रेषित की जाएगी।

केरल स्टोरी किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है, प्रतिबंध से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं : सीएम हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिल्म केरल स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी क्योंकि यह फिल्म किसी समुदाय के खिलाफ नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ है। शर्मा ने गुवाहाटी में एक मल्टीप्लेक्स में अपने परिवार के सदस्यों और कैबिनेट सहयोगियों के साथ यह फिल्म देखी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है, लेकिन फिल्म पर प्रतिबंध लगाने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह कहते हुए राज्य

में फिल्म के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है कि इससे कानून व्यवस्था की समस्या हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा, फिल्म मुस्लिम समुदाय की लड़कियों सहित मासूम लड़कियों के खिलाफ साजिश को दिखाती है। इसलिए, फिल्म पर प्रतिबंध लगाने का फैसला, मुझे लगता है, गलत है। उन्होंने कहा, उन्होंने फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ है लेकिन यह सच नहीं है। प्रतिबंधित करने से पहले उन्हें फिल्म देखनी चाहिए थी। तब उन्हें एहसास हुआ होगा कि फिल्म का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। शर्मा ने कहा कि फिल्म धर्म के नाम पर आतंकवादी संगठनों के क्रूर मंसूबों को उजागर करती है। असम के लोगों से उन्होंने अपील की कि वे अपने परिवारों के साथ फिल्म देखें, खासकर बच्चियों के साथ। उन्होंने माता-पिता से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर नजर रखें और उस पर भी जिनके साथ वे दोस्ती करते हैं। उन्होंने फिल्म के निर्माता, निर्देशक और कलाकारों को इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिल्म पेश करने के लिए धन्यवाद दिया। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म, द केरल स्टोरी को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब निर्माताओं ने सिनेमा के ट्रेलर में यह दावा किया गया प्रदेश की 32,000 लड़कियां लापता हो गई थीं।

आरोप *ईडी ने शराब के कारोबार में बड़े पैमाने पर घोटाले का दावा किया है*

ईडी मुझे शराब घोटाले में फंसाने की कोशिश कर रही : बघेल

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय राज्य के कथित शराब घोटाले में उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहा है। हेलीपैड पर संवाददाताओं से बातचीत में बघेल ने एक बार फिर कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, अभी तक हमलोगों ने बताया था कि ईडी भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रही है वह सही साबित हुआ है। झूठे केस बनाकर लोगों को डरा-धमका कर कथित आबकारी घोटाले में मेरा नाम डालने की कोशिश कर रहे हैं, इनका मूल उद्देश्य (बघेल नीत) सरकार को बदनाम करना है। बघेल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी यहां टिक नहीं पा रही है तो ईडी का अपने अधीनस्थ संगठन की तरह दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि अगर डिस्टिलरों ने यहस्वीकार किया कि वे उत्पाद शुल्क दिए बगैर शराब बेच रहे हैं तो ईडी उनके खिलाफ कार्वाई क्यों नहीं कर रही है? उन्होंने कहा, ईडी मीडिया ट्रायल के तहत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रही है और उसमें यह भी कहा गया है कि डिस्टलर आबकारी शुल्क का भुगतान किए बगैर शराब बेच रहा है। अब सवाल यह उठता है कि बिना आबकारी शुल्क भरे यदि शराब बेच रहा है, तो क्या वह अपराधी गवाह बनेगा। सवाल यह भी है कि उनके खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की गई? इसमें फायदा तो उन्हीं को मिला है और उन्होंने यह स्वीकार भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, जिस प्रकार से मीडिया ट्रायल में जो बातें आई हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। उनको कुछ कर नहीं रहे हैं। दूसरे लोगों को पकड़ रहे हैं। इसका मतलब यह है कि ईडी और डिस्टलरों के बीच या फिर डिस्टिलरों और भाजपा के बीच सांठगांठ हो चुकी है। बघेल ने कहा कि उपरोत तथ्य को संज्ञान में लेकर ही राज्य का एंटी करप्शन ब्यूरो कार्यवाही करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे राज्य में ईडी के अधिकारी पुलिस की तरह विवेचना कर रहे हैं। ईडी का यह कार्य संघीय ढांचे के मूल भावना के विपरीत है। ईडी के अधिकारियों द्वारा की गई समस्त अवैधानिक कार्यवाही को लेकर हम विधि विशेषज्ञों से सलाह मशविरा कर रहे हैं। जल्द ही समुचित कार्वाई करेंगें। गौरतलब है कि ईडी ने एक सिंडिकेट द्वारा छत्तीसगढ़ में शराब के कारोबार में बड़े पैमाने पर घोटाले का दावा किया है। इसमें राज्य सरकार के अधिकारी, निजी व्यक्ति और राजनीति से जुड़े लोग शामिल हैं। इस घोटाले में 2019-22 के बीच दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का धन अर्जित किया गया। कथित शराब घोटाला मामले में कांग्रेस नेता और रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के भाई अनवर समेत दो लोगों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। राज्य में ईडी कथित कोयला लेवी से संबंधित एक और मामले की जांच कर रहा है। ईडी के मुताबिक वरिष्ठ नौकरशाहों, राजनेताओं और व्यापारियों से जुड़े एक कार्टेल ने छत्तीसगढ़ में परिवहन किए गए प्रत्एक टन कोयले के लिए 25 रुपए की अवैध उगाही की है।

त्रिपुरा: चलती गाड़ी में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म, मुख्य आरोपी अरेस्ट

पश्चिम त्रिपुरा जिले में कॉलेज की एक छात्रा के साथ चलती गाड़ी में कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया और फिर आरोपी अमाताली बाईपास के पास उसे गंभीर हालत में सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित घटना सोमवार देर रात हुई और पीड़ित छात्रा को जी बी पंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने मुख्य आरोपी गौतम शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और बुधवार को इस मामले में पूछताछ शुरू कर दी है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी आशीष दासगुप्ता ने बुधवार को मीडिया को बताया कि सोमवार को पूरे दिन छात्रा को मुख्य आरोपी के साथ एक गाड़ी में घूमते देखा गया था। उन्होंने बताया कि बाद में रात के वक्त छात्रा के अकेलेपन का फायदा उठाकर आरोपियों ने उसकी मर्जी के खिलाफ दुष्कर्म किया और उसे अमाताली बाईपास के पास छोड़कर फरार हो गए। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस जांच में पाया गया कि पीड़ित छात्रा मुख्य आरोपी गौतम शर्मा के साथ नियमित रूप से बातचीत करती थी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि अपराध में अन्य व्यक्ति शामिल थे या नहीं। अधिकारी ने बताया, छात्रा की मां ने पुलिस में दर्ज शिकायत में दावा किया कि उसकी बेटी को कॉलेज से घर वापस आने के दौरान एक युवक द्वारा कार में लिफ्ट की पेशकश की गई थी और छात्रा ने इसे स्वीकार कर लिया था। उन्होंने बताया कि गाड़ी के अंदर तीन युवकों द्वारा छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया और बाद में उसे अमाताली बाईपास पर दर्दनाक हालत में छोड़ दिया गया। जान पहचान के लोगों द्वारा सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल लेकर गए। घटना की खबर फैलते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश महासचिव पपिया दत्ता, पार्टी के महिला मोर्चा के नेताओं के साथ अस्पताल पहुंची और छात्रा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। दत्ता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री माणिक साहा के निर्देश पर अस्पताल गई थीं। उन्होंने कहा, हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं और आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ अधिकतम सजा की मांग करते हैं। पुलिस की त्वरित कार्वाई ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को दिखाया। हम विश्वास दिलाते हैं कि पार्टी और सरकार पीड़िता और उसके परिवार के साथ खड़ी रहेगी।

SPORTS खेल जगत

मैं अपनी इस पारी को लंबे समय तक याद रखूंगा: जायसवाल

भारतीय क्रिकेट के उदीयमान सितारे यशस्वी जायसवाल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच में 47 गेंदों पर नाबाद 98 रन बनाने के बाद कहा कि उनके छोटे से करियर में यह उनकी सबसे यादगार पारी है जिसे वह लंबे समय तक याद रखेंगे। जायसवाल ने अपनी इस पारी के दौरान 13 गेंदों पर अर्धशतक पूरा करके आईपीएल में नया रिकॉर्ड बनाया। उनकी इस पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने यह मैच आसानी से नौ विकेट से जीता जायसवाल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं अपनी इस पारी को लंबे समय तक याद रखूंगा। यह काफी अच्छी पारी थी। जब मैं बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर उतरा तो मुझे लगा कि मेरे पास बहुत कम समय है और अचानक ही मुझे अहसास हुआ कि सब कुछ सही जा रहा है। मैंने तय किया कि मुझे इसी तरह से बल्लेबाजी करना जारी रखना चाहिए। यह मेरी यादगार पारी थी। उन्होंने कहा, मेरा अपनी दिनचर्या और प्रक्रिया को लेकर कड़ा नियम है जिसका मैं पूरी तरह से पालन करता हूं। यह मेरे लिए काफी मायने रखता है। मैं अपनी एकाग्रता बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं और प्रत्एक मैच से कुछ नई सीख लेता हूं। जब मैं अपनी पारी को आगे बढ़ा रहा होता हूं तब यहां काफी महत्वपूर्ण होता है। जायसवाल ने कहा कि वह अपनी मानसिक और शारीरिक तैयारियों से आत्मविश्वास हासिल करते हैं। उन्होंने कहा, 20 ओवर तक क्षेत्ररक्षण के बाद आपको पारी की शुरुआत करने के लिए जाना होता है। इसलिए मैं खुद को फिट और मानसिक रूप से मजबूत रखता हूं। मैं इससे आत्मविश्वास हासिल करता हूं। जायसवाल ने कहा कि जब भी उन्हें मौका मिलता है तो वह भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों जैसे महेंद्र सिंह धोनी से बात करके कुछ नई सीख हासिल करते हैं। उन्होंने कहा, मेरे इर्द-गिर्द काफी अनुभवी और दिग्गज खिलाड़ी हैं। मुझे जब भी मौका मिलता है तो मैं धोनी भाई, विराट (कोहली) भाई, रोहित (शर्मा) भाई, जोस (रोहित (शर्मा) भाई, जोस (बटलर) भाई, संजू (सैमसन) भाई से बात करता हूं कि मैं कैसे शांतचित बना रहूं। मैं हमेशा सीखने की कोशिश करता हूं।

टी20 विश्व कप टीम चयन में हार्दिक की बातों को मिलेगी तवज्जो, दिखंगे कई नए चेहरे: शास्त्री

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री अगले साल टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में कई नए चेहरों की उम्मीद कर रहे हैं, जिसके चयन मामलों में कप्तान हार्दिक पंड्या की बातों को काफी तवज्जो दी जाएगी। टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अब भी टी20 टीम की योजना में बने हुए हैं लेकिन पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद सीनियर खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, मुझे लगता है कि वे ऐसा (नए खिलाड़ियों को टीम में मौका) ही करेंगे। इस पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा, टी 20 विश्व कप आ रहा है और युवाओं में बहुत प्रतिभा है। इस साल के आईपीएल में हमने कुछ बेहतरीन प्रतिभाएं देखी हैं। यह पूरी तरह नई टीम नहीं होगी लेकिन इसमें कई नए चेहरे होंगे। वह (हार्दिक) पहले से ही इस प्रारूप में भारत के कप्तान हैं।

एक नजर

ऑस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग का कार्यक्रम फिर छोटा किया

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट बिग बैश लीग (बीबीएल) का कार्यक्रम फिर से छोटा करने का फैसला किया है क्योंकि इस प्रतियोगिता का कार्यक्रम लंबा होने के कारण आलोचना होती रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पुष्टि की कि नए प्रसारण अधिकारों के अनुसार लीग में प्रत्एक फ्रेंचाइजी अब प्रतिवर्ष 10 मैच खेलेगी। उसने पुष्टि की कि इस सत्र में लीग चरण में 56 की बजाय 40 मैच खेले जाएंगे। बीबीएल के प्लेऑफ के कार्यक्रम में फेरबदल किया जा रहा है और अब इसमें पांच की बजाय चार मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में अब कुल 44 मैचों का आयोजन होगा। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा जुलाई में किए जाने की संभावना है जबकि प्रतियोगिता दिसंबर में शुरू होगी।

अदिति अशोक की फाउंडर्स कप में शानदार शुरुआत

क्लिफ्टन। भारत की गोल्फर अदिति अशोक ने एलपीजीए टूर के टूर्नामेंट फाउंडर्स कप में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही अदिति पहले दौर के बाद संयुक्त 12वें स्थान पर चल रही हैं। वह शीर्ष पर काबिज कोरिया की सेई यंग किम (66) से तीन शॉट पीछे हैं। अदिति 2017 से एलपीजीए टूर में खेल रही है लेकिन अभी तक वह खिताब नहीं जीत पाई हैं। अदिति ने नौवें होल से शुरुआत की और पहले दौर में कुल पांच बर्डी बनाई। इस बीच हालांकि उन्होंने 16वें और पहले होल में बोगी भी की।

दीक्षा डागर पहले दौर के बाद संयुक्त 11वें स्थान पर

एवियन ले बैंस ।भारत की दीक्षा डागर ने जबरा लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेला। दीक्षा ने एवियन रिजॉर्ट गोल्फ क्लब में दो बर्डी और दो बोगी की। वह पहले दौर के बाद संयुक्त 11वें स्थान पर हैं। भारत की एक अन्य गोल्फर अमनदीप द्राल ने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 20वें स्थान पर हैं। भारत के दिग्गज गोल्फर अर्जुन अटवाल की भतीजी सहर अटवाल ने चार ओवर 75 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 67वें स्थान पर हैं। त्वेशा मलिक और वाणी कपूर की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

बटलर पर मैच फीस का10 प्रतिशत जुर्माना

कोलकाता। राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने बयान में कहा, राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर पर कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 11 मई को खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

लखनऊ के स्पिन आक्रमण के सामने सनराइजर्स के बल्लेबाजों की होगी परीक्षा

पिछले मैच में अप्रत्याशित जीत दर्ज करके अपनी उम्मीदें जगाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम के बल्लेबाजों की शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में लखनऊसुपरजाइंट्स के स्पिनरों के सामने कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। लखनऊने पिछले तीन में से दो मैच गंवाए हैं लेकिन यदि वह एडेन मार्करम की अगुवाई वाली सनराइजर्स की टीम को हरा देता है तो फिर वह शीर्ष चार में जगह बना देगा। जहां तक सनराइजर्स की टीम की बात है तो वह 10 टीमों की अंक तालिका में अभी 10 मैचों में आठ अंक लेकर नौवें स्थान पर है। क्रुणाल पंड्या की अगुवाई वाली लखनऊकी टीम 11 मैचों में 11 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। उप्पल का विकेट हालांकि धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाता रहा है और ऐसे में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। लखनऊके पास रवि बिश्नोई, अनुभवी अमित मिश्रा और कप्तान क्रुणाल के रूप में उपयोगी स्पिन तिकड़ी है जिनके सामने सनराइजर्स के बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ सकता है। सनराइजर्स की बल्लेबाजी तीन विदेशी खिलाड़ियों एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन और ग्लेन फिलिप्स पर निर्भर है। फिलिप्स ने 13.25 करोड़ रुपए में बिके हैरी ब्रूक के नहीं चल पाने के कारण अंतिम एकादश में जगह बनाई। अगर स्पिनरों की बात की जाए तो लखनऊ का पलड़ा हैदराबाद पर भारी लगता है। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल हो जाने से सनराइजर्स का स्पिन विभाग कमजोर पड़ा है। उसकी तरफ से केवल एक स्पिनर मयंक मारकंडे ही अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाया है। हैदराबाद की टीम कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन उसे दो प्रमुख भारतीय बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल (9 मैच 187 रन) और राहुल त्रिपाठी (10 मैच में 237 रन) की खराब फॉर्म का नुकसान उठाना पड़ रहा है। उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में क्लासेन (185.34) के अलावा अभिषेक शर्मा (152.63) ही 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बना पाए हैं। जहां तक लखनऊकी बल्लेबाजी का सवाल है तो कप्तान केएल राहुल की चोट से टीम को खास नुकसान नहीं हुआ है क्योंकि शीर्ष क्रम में क्विंटन डी कॉक और काइल मायर्स शुरू से ही लप्पेबाजी करने में माहिर हैं। मध्यक्रम में मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अभी तक कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। लखनऊ का धीमा विकेट था जिस पर उसके बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाए। लखनऊके बल्लेबाज यहां के विकेट पर अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करना चाहेंगे लेकिन उन्हें भुवनेश्वर कुमार और टी नटराजन की तेज गेंदबाजी जोड़ी से सतर्क रहना होगा।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद

एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को जानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह।

लखनऊ सुपरजाइंट्स:

क्रुणाल पंड्या (कप्तान), काइल मेयर्स, दीपक हुडडा, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, अवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, करुण नायर और मयंक यादव।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होगा।

बीडब्ल्यूएफ ने नए स्पिन सर्विस पर लगाया अंतरिम प्रतिबंध

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में नई स्पिन सर्वस की बढ़ती लोकप्रियता के बीच इस खेल की वैश्विक शासी निकाय बीडब्ल्यूएफ ने 29 मई 2023 तक इस पर अंतरिम प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। डेनमार्क के युगल खिलाड़ी मार्कस रिंडशोज ने पिछले महीने पोलिश ओपन में इस स्पिन सर्विस से अंक अर्जित किए और तभी से विश्व भर के खिलाड़ी इसमें अपना हाथ आजमाने की कोशिश कर रहे हैं। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के बयान के मुताबिक, बीडब्ल्यूएफ परिषद ने तत्काल प्रभावी 29 मई 2023 तक नए स्पिन सर्व के उपयोग पर रोक लगाने के लिए बैडमिंटन के नियमों में प्रायोगिक बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया, यह अंतरिम प्रतिबंध बीडब्ल्यूएफ के सभी स्वीकृत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों पर लागू होगा, जिसमें रविवार 14 मई से शुरू होने वाला सुदीरमन कप फाइनल और अगले सप्ताह प्रस्तावित मलेशिया मास्टर्स 2023 भी शामिल है। स्पिन सर्विस में खिलाड़ी शटलकॉक के कॉर्क को अपने अंगूठे और बीच की उंगली के बीच में रखता है और फिर उसे रैकेट से मारने के समय कैरम स्ट्राइक की गति से उसे स्पिन कराने की कोशिश करता है। विरोधी टीम के खिलाड़ियों को इस तरह की सर्विस को वापस करना मुश्किल होता है। बीडब्ल्यूएफ के बयान के मुताबिक, बैडमिंटन के बीडब्ल्यूएफ कानून की धारा 4.1 के 9.1.5 के संशोधन में अब कहा गया है कि सर्विस करने वाला खिलाड़ी बिना स्पिन की मदद लिए शटल को रैकेट से हिट करेगा। इसके पालन में किसी भी विफलता को फॉल्ट माना जाएगा।

वेंकटेश ने राणा के पहला ओवर करने के फैसले का बचाव किया

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान पहला ओवर करने के कप्तान नितीश राणा के फैसले का बचाव किया। केकेआर को केवल 149 रन का बचाव करना था और ऐसे में राणा ने स्वयं पहला ओवर किया। यशस्वी जायसवाल ने इस ओवर में दो छक्कों और तीन चौकों की मदद से 26 रन बटोरे। रॉयल्स ने यह मैच आसानी से नौ विकेट से जीता। वेंकटेश ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, बाएं हाथ का बल्लेबाज (जायसवाल) क्रीज पर था और वह (राणा) ऑफ स्पिनर है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि यह गलत फैसला था। राणा का यह फैसला टीम पर भारी पड़ गया लेकिन वेंकटेश ने कहा कि अगर उन्हें इस ओवर में विकेट मिल जाता तो परिदृश्य भिन्न होता। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि वह गेंदबाजी करने में सक्षम है। उन्होंने अपने करियर में कई बार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए हैं। फैसला हमारी टीम के पक्ष में नहीं रहा लेकिन अगर उन्होंने (जायसवाल का) विकेट हासिल कर लिया होता तो यह कप्तान का मास्टरस्ट्रोक होता। खेल में ऐसी चीजें होती रहती हैं। वेंकटेश ने कहा, विकेट थोड़ा धीमा था और हम नई गेंद से स्पिनरों के जरिए इसका फायदा उठाना चाहते थे। ऐसा नहीं हो पाया लेकिन राणा अविश्वसनीय गेंदबाज है। जब भी उसने किफायती गेंदबाजी की तब विकेट भी लिए। एक मैच से वह खराब गेंदबाज नहीं बन जाता।

एआईएफएफ ग्रासरूट दिवस के रूप में मनाया जाएगा पीके बनर्जी का जन्मदिन

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने जमाने के दिग्गज फुटबॉलर प्रदीप कुमार बनर्जी के जन्मदिन 23 जून को एआईएफएफ ग्रासरूट दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। पीके के नाम से मशहूर बनर्जी ने 1960 के रोम ओलंपिक में भारतीय टीम की अगुवाई की थी। एक खिलाड़ी के रूप में अपार सफलता हासिल करने के बाद वह कोच बने जिसमें उन्हें काफी सफलता मिली। एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा, हम अक्सर यह भूल जाते हैं प्रदीप दा बहुत अच्छे कोच भी थे। खेल से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग देनी शुरू की और अगले 30 वर्षों में देश को कई नामी खिलाड़ी दिए जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय और क्लब कोच की काफी चर्चा होती है लेकिन भारतीय फुटबॉल समुदाय पीके दा के जमीनी स्तर (ग्रासरूट) पर किए गए योगदान को नहीं भूल सकता। बनर्जी ने 1962 के एशियाई खेलों में भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनका मार्च 2020 में निधन हो गया था। चौबे ने कहा, मैं जो भी शब्द कहूंगा वह भारतीय फुटबॉल में प्रदीप दा के योगदान का सम्मान करने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।

ओडिशा एफसी ने अमरिंदर सिंह का अनुबंध 2026 तक बढ़ाया

भुवनेश्वर। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी ओडिशा एफसी ने गोलकीपर अमरिंदर सिंह का अनुबंध 2026 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घोषणा ओडिशा एफसी के आईएसएल में सफल अभियान तथा सुपर कप चैंपियन बनने के बाद की गई है। अमरिंदर ने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें सुपर कप में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया था। अमरिंदर ने तीन देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया जहां उन्हें गुरप्रीत सिंह संधू के साथ सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर आंका गया था। ओडिशा एफसी की टीम अगले सत्र में एएफसी कप में खेलेगी और उसमें क्लब की सफलता काफी हद तक अमरिंदर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

आईपीएल *दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी टीम में शामिल भारत के बल्लेबाजों का नहीं चल पाना*

पंजाब किंग्स का समीकरण बिगाड़ने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स की टीम

प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत दर्ज करके पंजाब किंग्स के समीकरणों को बिगाड़ने और अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखने की कोशिश करेगी। दिल्ली ने अभी तक 11 मैचों में केवल चार मैच जीते हैं और अगर वह अपने बचे हुए तीनों मैच में जीत भी दर्ज करता है तब भी उसके 14 अंक होंगे जो कि शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए संभवतः पर्याप्त नहीं होंगे। अगर मगर के समीकरणों को देखते हुए दिल्ली की टीम का भाग्य अब दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। पंजाब किंग्स की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। उसके 11 मैचों में पांच जीत से 10 अंक हैं और उसे प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी टीम में शामिल भारत के बल्लेबाजों का नहीं चल पाना। उसकी टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों कप्तान डेविड वॉर्नर, विकेटकीपर बल्लेबाज फिल सॉल्ट और मिशेल मार्श पर काफी निर्भर है। दिल्ली के मध्यक्रम में शामिल भारतीय बल्लेबाजों में मनीष पांडे, रिपल पटेल और अमन खान जैसे खिलाड़ी शामिल है लेकिन ए सभी अभी तक परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मध्यक्रम के बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रहे हैं और साथ ही बड़े शॉट भी नहीं खेल पा रहे हैं जिससे टीम को नुकसान हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में जब दिल्ली का शीर्ष क्रम नहीं चल पाता है तो टीम बिखर जाती है। पहले चरण में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले वॉर्नर भी पिछली पांच पारियों में नहीं चल पाए और इनमें से तीन पारियों ने वह दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके जो कि टीम के लिए चिंता का विषय है।सॉल्ट ने दो पारियों में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन वह तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इनमें से दो मैच में वह खाता भी नहीं खोल सके थे। मार्श ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जबरदस्त पारी खेली थी लेकिन इसके बाद उनका भी बल्ला नहीं चल पाया। इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने हालांकि पिछले तीन मैचों में गेंदबाजी में उपयोगी योगदान दिया। दिल्ली के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

कोच ने यशस्वी से कहा- जिंदगी में अलग बनना है तो कुछ खास करना पड़ेगा

आईपीएल के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल जब शुरूआती मैचों में अर्धशतकीय पारियां खेल रहे थे तब उनके कोच और मेंटोर ज्वाला सिंह ने उन्हें सलाह दी कि जिंदगी में अलग बनना है तो कुछ खास करना पड़ेगा और उसके बाद से उन्होंने आईपीएल के इस सत्र को अपने लिए खास बना डाला। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डंस पर बृहस्पतिवार को यशस्वी ने 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 47 गेंद में नाबाद 98 रन बनाकर टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। उन्होंने महज 13 गेंद में अर्धशतक बनाकर केएल राहुल और पैट कमिंस (14 गेंद) का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके साथ ही इस सत्र में उनके 12 मैचों में 575 रन हो गए हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी से महज एक रन पीछे दूसरे स्थान पर हैं। पिछले दस साल से उनके कोच और मार्गदर्शक ज्वाला ने मुंबई से भाषा से बातचीत में कहा, जिस तरह से वह खेल रहा है और इतने महान बल्लेबाजों के बीच ऑरेंज कैप की तरफ जा रहा है। यह तो हमारा सपना था जो सच हो रहा है। उन्होंने कहा, मार्च में ईरानी ट्रॉफी के पहले मैंने उसे मैसेज भेजा था कि जिंदगी में अलग बनना है तो कुछ खास करना पड़ेगा। उसने दोहरा शतक और शतक समेत शेष भारत के लिए रिकॉर्ड 357 रन बनाए। उन्होंने बताया कि इसी तरह आईपीएल के पहले कुछ मैचों में उसने अर्धशतक बनाकर वाहवाही पाई तो मैने उसको यही बोला कि लोगों की तालियों पर मत जाओ क्योंकि तुम्हें इससे बेहतर करना है। मुंबई में यशस्वी के सरपरस्त रहे ज्वाला ने कहा , मैने उससे कहा कि तुम्हारा सर्वश्रेष्ठ तो अभी आया ही नहीं है। उसने फिर चेन्नई के खिलाफ 77 रन बनाए और मुंबई के खिलाफ शतक जमाया। उन्होंने बताया कि जब भी मैने उसे चुनौती दी है तो उसने हमेशा कुछ अलग किया है। उन्होंने कहा , मैने उसे यह भी कहा कि खुद को युवा मत समझा कि बड़े खिलाड़ियों को देखकर सीखेगा और ऐसे ही चलते रहेगा। यह उसका चौथा सत्र है और उसे कुछ असाधारण करना ही था। उसने मेरी सीख को सकारात्मक लिया और राजस्थान रॉयल्स टीम में उसे घर जैसा माहौल और खुलकर खेलने की छूट मिली।

मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत दो फिल्में 'रोश' और 'जोगीरा सारा रा' होंगी एक ही दिन रिलीज

किसी भी अभिनेता की एक ही दिन में दो फिल्में रिलीज होना एक इत्तफाक भी हो सकता है

सीताराम मेवाती

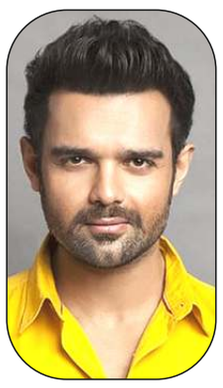

क्या आपने देखा है की एक ही दिन एक अभिनेता की दो फिल्म साथ में ही रिलीज हों, लेकिन अब ऐसा हो रहा है. मिथुन चक्रवर्ती के पुत्र मिमोह चक्रवर्ती की दो फिल्में एक ही निर्धारित दिन पर रिलीज होने वाली हैं। यह एक इत्तेफाक हुआ है कि अभिनेता मिमोह चक्रवर्ती के साथ जो एक साथ एक नहीं बल्कि दो फिल्मों में काम कर रहे हैं! उनकी आगामी रिलीज होने वाली फिल्मे जिसमे ह्यरोशह्न और ह्यजोगीरा सारा राह्न शामिल हैं और इसके बारे में खबर यह है कि यह दोनों फिल्में एक ही दिन यानी 12 मई, २०२३ को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। मिमोह सबसे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' में नजर आने वाले हैं। इसमें अभिनेता का एक अनूठा अवतार और एक परिवर्तन देखने को मिलेगा जो उनके प्रशंसकों को हैरान कर देगा! यह पारिवारिक कॉमेडी ह्यहॉन्टेडह्न फेम अभिनेता की एक नई अनदेखी छवि दिखाएगी। इस फिल्म का टीजर, जो कुछ हफ़्ते पहले रिलीज हुआ था, उसको दर्शकों द्वारा बहुत सराहा गया था और उसने रिलीज के लिए उत्साह और उत्सुकता बढ़ा दी थी। मिमोह अपनी आने वाली फिल्म ह्यरोशह्न को लेकर काफी उत्साहित हैं। मिमोह इस फिल्म में एक कंप्यूटर विश्लेषक की एक दिलचस्प भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें इस भूमिका को निभाते हुए देखना दर्शकों के लिए एक नया अनुभव दर्शायेगा. अब इंतजार कीजिये १२ मई का और तैयार हो जाइये दोनों फिल्मों का मजा लेने के लिए.

अभिनेता श्रेयस तलपदे ने किया पोस्टर बॉयज2 का पोस्टर लॉन्चः इस पूरी फिल्म की शूटिंग लंदन में होगी

सीताराम मेवाती

श्रेयस तलपदे द्वारा प्रस्तुत और दीप्ति तलपदे द्वारा निर्मित 'पोस्टर बॉयज' 2014 में रिलीज हुई थी। इसमें दिलीप प्रभावलकर, अनिकेत विश्वासराव और हृषिकेश जोशी मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी सफलता हासिल की थी. अब हाल ही में फिल्म के दूसरे भाग की घोषणा की गई है। इस आगामी फिल्म का दादर स्थित प्लाजा सिनेमा हॉल में ग्रैंड पोस्टर लॉन्च किया गया. अभिनेता श्रेयस इस लॉन्च के लिए काफी उत्साहित थे और इसी सन्दर्भ में उन्होंने कहा कि, १एक हिट फिल्म होना एक अच्छी उपलब्धि है, लेकिन ऐसी हिट फिल्म होना बहुत बड़ी उपलब्धि है. ऐसी फिल्म के लिए लोग दूसरे भाग की भी मांग करें, यह दुनिया में सबसे बड़ी भावना है। सीक्वल के लिए मेरे बड़े सपने हैं और मुझे बस आशा है कि यह पहले की तरह ही अच्छी और मनोरंजक ह०ोगीर. यह तीन कुलियों के बारे में एक वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित थी, जिन्होंने पुरुष नसबंदी पोस्टर पर अपनी तस्वीरें पाईं। पोस्टर बॉयज 2 का भव्य पोस्टर कुछ दिनों पहले ही जारी किया गया था और पहली फिल्म को मिली अद्भुत सफलता के बाद दर्शक सीक्वल के लिए उत्साहित हैं. ज्ञात हो की इस फिल्म के निमार्ता श्रेयस हैं और इसकी सारी शूटिंग लंदन में की जाएगी. पोस्टर में काम करने वाले कलाकारों की स्टाइल खुद श्रेयस की पत्नी दीप्ति तलपदे कर रही हैं.

द गेम ऑफ गिरगिट में पुलिसकर्मी का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा, अभिनेता श्रेयस तलपड़े की अगली फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और विशाल पांड्या द्वारा निर्देशित फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में अभिनेत्री एक पुलिस कर्मी का किरदार निभाएंगी। हाल में आई फिल्म द केरल स्टोरी में अपनी प्रमुख भूमिका को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अभिनेत्री ने कहा कि पर्दे पर एक पुलिस कर्मी की भूमिका निभाना रोमांचक है। अदा शर्मा (31) ने एक बयान में कहा,"मैंने पहले भी फिल्म कमांडो में पुलिस कर्मी का किरदार निभाया है और इस फिल्म में भावना रेड्डी की भूमिका में मैं बहुत लोकप्रिय भी हुई। अब आगामी फिल्म में गायत्री भार्गव की भूमिका एक अलग तरह की पुलिस वाली की है। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, द गेम ऑफ गिरगिटै चर्चित ब्लू व्हेल गेम पर आधारित है। ब्लू व्हेल गेम एक इंटरनेट आधारित गेम है जिसे ब्लू व्हेल चैलेंज भी कहा जाता है इस गेम में कथित तौर पर खिलाड़ियों को आत्महत्या के लिए उकसाया जाता है। फिल्म में ऐप डेवलपर की भूमिका निभाने वाले तलपड़े ने कहा कि वह फिल्म की कहानी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा,"मैं इस फिल्म को लेकर उत्सुक हूं। फिल्म में एक अच्छा संदेश भी है जो हमें लगता है कि यह दर्शकों तक, विशेष रूप से देश के बच्चों और युवाओं तक पहुंचना चाहिए। फिल्म निर्देशक पांड्या ने कहा, "द गेम ऑफ गिरगिटै आज की पीढ़ी की कहानी है, जो मोबाइल फोन ऐप पर अपनी निजी जानकारियों को साझा करने के बाद इसके परिणामों से अनजान है।

आलिया के हाथ लगी एक बड़ी उपलब्धि

आलिया भट्ट की खूबसूरती की तारीफ जितनी की जाए उतनी कम है। वह एक ऐसी भारतीय अभिनेत्री हैं, जिनका हर अंदाज फैंस के दिलों में जगह बना लेता है। आलिया अक्सर अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। मेट गाला 2023 में धमाकेदार डेब्यू करने के बाद, अभिनेत्री आलिया भट्ट अब इतालवी लग्जरी फैशन हाउस गुच्ची की पहली भारतीय ब्रांड एम्बेसडर बन गई हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट लग्जरी इतालवी फैशन हाउस, गुच्ची की पहली भारतीय ग्लोबल एम्बेसडर बन गई हैं। इस साल मेट गाला में अपना सफल डेब्यू करने वाली आलिया दक्षिण कोरिया के सियोल में आगामी गुच्ची क्रूज 2023 रनवे शो में ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पहली बार नजर आएंगी। यह शो आगामी 16 मई को ग्योंगबोकगंग पैलेस में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन देश में फैशन हाउस के 25 साल पूरे करने के मौके पर किया जा रहा है। बता दें, हाल ही में, आलिया भट्ट ने कनिका गोयल लेबल द्वारा कस्टम मेड ब्लेजर और पैंट के साथ गुच्ची शर्ट में अपनी कुछ शानदार तस्वीरें साझा की थीं। आलिया भट्ट ने हाल ही में मेट गाला 2023 के कार्पेट पर चलकर देश का मान बढ़ाया है। दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट में आलिया का व्हाइट पर्ल आउटफिट लोगों को खूब भाया और अभिनेत्री की जमकर तारीफ भी हुई। मेट गाला डेब्यू में आलिया ने डिजाइनर प्रबल गुरुंग द्वारा डिजाइन किया गया एक ड्रीमी व्हाइट पर्ल गाउन पहना था। उनका आउटफिट सुपरमॉडल क्लाउडिया शिफर के 1992 के चैनल ब्राइडल लुक से प्रेरित था। आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री अगली बार करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह के साथ दिखाई देंगी। इसके साथ ही आलिया के पास गैल गैडोट और जेमी डोर्नन स्टारर फिल्म द हार्ट ऑफ स्टोन भी है। इस फिल्म से आलिया हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री के पास प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ के साथ फरहान अख्तर की जी ले जरा भी है।

टाइम मैगजीन के कवर पर बॉस लेडी बन छाईं दीपिका

टाइम मैगजीन के मुख्य पृष्ट पर हाल में जगह बनाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा कि उन्होंने अपने 15 साल के करियर में लगातार राजनीतिक निशाने पर रहने को लेकर कभी परवाह नहीं की। पत्रिका के मुख्य पृष्ट वा दीपिका मटमैले रंग का पैंट-सूट पहने हुए हैं और उन्होंने पैरों में जूते-चप्पल नहीं पहनी हुई। इस तस्वीर के साथ ही पत्रिका में वैश्विक स्टार : दीपिका पादुकोण दुनिया को ला रही हैं बॉलीवुड में शीर्षक प्रकाशित है। अमेरिका की प्रतिष्ठित पत्रिका को दिए अपने साक्षात्कार में अभिनेत्री ने कथित तौर पर ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करने के लिए पद्मावत , अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म छपाक की रिलीज के दौरान जेएनयू छात्रों के प्रति एकजुटता जताकर और हाल में पठान फिल्म के गीत बेशरम रंग में एक पाकिस्तानी जासूस के रूप में भगवा बिकनी पहनकर कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने को लेकर हुए विवादों पर बात की। पत्रिका में छपे लेख के अनुसार जब दीपिका से लगातार सियासी तौर पर निशाने पर रहने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने लंबा विराम लिया। सैतीस वर्षीय अभिनेत्री ने पत्रिका से कहा, मुझे नहीं पता कि

मुझे इसके बारे में कुछ महसूस होना चाहिए या नहीं। लेकिन सच्चाई यह है कि मैं इसकी परवाह नहीं करती हूं। लेख में अभिनेत्री ने कहा, यह भारत का समय है। विज्ञापनों तथा संगीत वीडियो में बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत करने वाली दीपिका ने कहा, भारतीय सिनेमा ने सीमाओं के दायरे को लांघ दिया है और भारतीय हर जगह मौजूद हैं। इसलिए आप जहां भी जाते हैं आपको प्रसिद्धि मिलती है। उन्होंने कहा, यह भारत का समय है। हमारी जड़ों, हमारी विरासत, हमारे इतिहास के साथ एक भारत है लेकिन एक नया और युवा भारत भी है जो उभर रहा है। अगर ए दोनों भारत एक साथ आते हैं तो इस वक्त वे मुझे वाकई आकर्षक लग रहे हैं। भारत ने 2023 एकेडमी अवॉर्ड्स में दो पुरस्कार जीते थे। एसएस राजमौली की ब्लॉकबास्टर फिल्म आरआरआर के गीत नाटु नाटु को सर्वश्रेष्ठ मूल गीत की श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार मिला और द एलीफेंट व्हिस्परर्स को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र (लघु विषय) की श्रेणी में ऑस्कर मिला। दीपिका ने कहा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें एक गीत तथा एक वृत्तचित्र के लिए ऑस्कर से खुश हो जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि हम इसे एक अवसर की शुरुआत होने के रूप में देखे। दीपिका ने अपने पति तथा सह-अभिनेता रणवीर सिंह के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि एक आम धारणा है कि बॉलीवुड अभिनेत्रियों का करियर शादी करते या बच्चे होते ही खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने (सिंह) हमेशा मुझे, मेरे सपनों और मेरी महत्वाकांक्षाओं को आगे रखा है। वह बॉलीवुड कलाकार शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय बच्चन, आमिर खान और प्रियंका चोपड़ा जोनास के साथ उन भारतीय लोगों की सूची में शामिल हो गई है जो टाइम पत्रिका में जगह बना चुके हैं।

कियारा ने शाहिद कपूर को थप्पड़ जड़ने का कर लिया था इरादा

बॉलीवुड सितारों में दोस्ती के साथ झगड़े की खबरें भी अक्सर सुनने को मिलती है। कई बार सेट पर कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे कलाकारों के बीच तनाव की स्थिति बन जाती है। आज के थर्सडे थ्रोबैक में हम आपको बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कियारा आडवाणी और शाहिद कपूर से जुड़ा एक किस्सा बताने जा रहे हैं, जिसे जानकर आप ही हैरान रह जाएंगे। आपको जानकर हैरत होगी कि फिल्म कबीर सिंह की शूटिंग के दौरान कियारा आडवाणी एक समय इतना ज्यादा परेशान हो गई थीं कि उनका मन शाहिद कपूर को थप्पड़ मारने का हो गया था। इस बात का खुलासा कियारा ने खुद किया था। उन्होंने कॉफी विद करण शो में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान एक बार उनके दिमाग में आया था कि वह शाहिद को थप्पड़ मार दें।

इस शो में उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई थी। उन्होंने बताया था, शूटिंग का तीसरा या चौथा दिन था। मुझे आठ घंटे के लिए इंतजार करने के लिए कहा गया। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि उस समय इस बात की चर्चा चल रही थी कि शाहिद अगले सीन में कौन से जूते पहनेंगे। शो में कियारा की बात सुनने के बाद करण जौहर ने भी कियारा का साथ देते हुए मजाक में कहा था कि अगर मुझे इस बात के लिए इंतजार करना पड़ता तो मैं सच में थप्पड़ मार देता। वहीं, इस दौरान बगल में बैठे शाहिद इन बातों को सुनकर हंसते नजर आए थे। बता दें कि कबीर सिंह शाहिद कपूर और कियारा आडवाणी की सबसे बड़ी हिट फिल्म है। इस फिल्म को लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया था। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने जमकर कमाई की थी। घरेलू टिकट खिड़की पर फिल्म ने लगभग 278 करोड़ रुपये बटोरे थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद जल्द ही ब्लडी डैडी में नजर आने वाले हैं। वहीं, कियारा सत्यप्रेम की कथा में कार्तिक आर्यन संग एक बार फिर दिखेंगी।

जलवायु परिवर्तन की दिशा में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा

(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

जलवायु परिवर्तन आज एक वास्तविकता है और दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसके प्रमाण पहले से ही अनुभव किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का संभावित खतरा जबरदस्त है और यह पर्यावरण के साथ-साथ दुनिया के अर्थशास्त्र को भी प्रभावित कर सकता है। जागरूकता को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन कार्रवाई शुरू करने के लिए लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट ' नीति आयोग के तहत शुरू किया गया एक आंदोलन है।

समुदाय के समग्र जागरूकता स्तर को बढ़ाने और अकेले सामूहिक कार्रवाई से स्थायी प्रभाव पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं। विचार-विमर्श और अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र 'परिपत्र अर्थव्यवस्था' का पुनरुद्धार है, जिसमें 'उत्पाद के एक जीवन चक्र का अंत दूसरे उत्पाद की शुरुआत को चिह्नित कर सकता है'।

लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (L.I.F.E.) एक भारत के नेतृत्व वाला

वैश्विक जन आंदोलन है। यह क्षण हितधारकों द्वारा प्रो-प्लैनेट-पीपल (P-P-P) के रूप में योगदान की पहचान करता है।

सांस्कृतिक निरंतरता के रूप में सीखने और अपनाने के लिए भारत के पास पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का विशाल संसाधन है। उच्च शिक्षा संस्थान जागरूकता के समग्र स्तर को बढ़ाने में संवेदीकरण कार्यक्रमों और संस्थान संस्कृति के एक भाग के रूप में पर्यावरण चेतना को लागू करने में योगदान कर सकते हैं।

हस्तक्षेपों की पहचान करने और दैनिक जीवन शैली में बदलाव लाने के लिए जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के मिशन का अध्ययन किया जा रहा है। जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन को अध्ययन और अन्वेषण के उभरते हुए क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। संस्थान जलवायु कार्रवाई की उपलब्धि की दिशा में काम करने के लिए पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन घड़ियों की स्थापना कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उलटा हो। 2030 तक जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने का मिशन एक बड़ी चुनौती है और इसे प्राप्त करने में विश्व गुरु होने की भूमिका को प्रदर्शित करने में भारत वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।

एक कॉर्पोरेट सामाजिक पहल के रूप में AICTE ने परिवर्तन निर्माताओं के एक सक्रिय भंडार के रूप में उच्च शिक्षा के संस्थानों में संस्कृति को विकसित करने के लिए जलवायु परिवर्तन घड़ियों की स्थापना शुरू की है।

आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल लाया है देहलनवी फूड ट्रेल की बेहतरीन व्यंजन परंपरा; ये है आईटीसी होटल समूह के सिग्नेचर व्यंजनों की एक श्रृंखला

सीताराम मेवाती

आईटीसी होटल समूह बेहतरीन व लज़ीज़ व्यंजन परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए विश्व विख्यात है. इसी कड़ी को बढ़ाते हुए इस समय देहलनवी ट्रेल को प्रस्तुत कर रहे हैं. यह फ़ूड फेस्टिवल दिल्ली की परंपरागत व्यंजनों का संकलन है. आईटीसी होटल समूह इस फ़ूड फेस्टिवल को अपने समस्त भारत के चुनिन्दा होटलों में प्रस्तुत कर रहा है.

समूह का मकसद है की लजीज खाने के शौक़ीन इस फ़ूड ट्रेल के जरिये बेहतरीन व्यंजनों का मजा लें. इसी की कड़ी में मुंबई स्थित आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल में देहलनवी फ़ूड फेस्टिवल प्रस्तुत किया जा रहा है. यह फेस्टिवल चार दिनों के लिए ११ से १४ मई तक आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल के प्रसिद्ध रेस्तरां हॉर्नबी पेविलियन में आयोजित किया गया है.

आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल के रेस्तरां हॉर्नबी पेविलियन को काफी सुंदरता पूर्वक सजाया गया है. व्यंजनों की प्रस्तुति के लिए दो मास्टर शेफ भी दिल्ली से बुलाये गए हैं. ये दोनों शेफ जिनका नाम शेफ रइस और शेफ मोहम्मद है अपनी लजीज व्यंजनों से मुंबई निवासियों का स्वाद दोगुना करने हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किये गए हैं.

यह सर्वविदित है की दिल्ली के खाने के इतिहास विभिन्न युगों के माध्यम से पथ प्रदर्शक है. देहलनवी न केवल एक विशेष व्यंजन का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा का भी प्रतीक है।

इस मेन्यू की कुछ विशेष डिश सम्मिलित की गई है उनमें भे के कबाब, दिल्ली की निहारी, निमोना पुलाव, दाल देहलनवी, दिल्ली बटर चिकन, बरफ की हांडी इत्यादि हैं. इसके अलावा आप के पसंदीदा व्यंजन दही गुजिया, राज कचौड़ी और कुल्ले की चाट जैसे स्वादिष्ट सिग्नेचर डिश भी शामिल हैं. अगर आपको मीठा पसंद है, तो बरफ की हांडी, मोतिया जर्दा, हर दिल अजीज और पसंदीदा गुलाब जामुन और खुरचन भी सम्मिलित हैं.

आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल के जनरल मैनेजर भगवान बलानी ने इस फेस्टिवल के बारे में अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि आईटीसी होटल समूह अपने लजीज व्यंजनों के लिए विश्व प्रसिद्ध है और हम समय समय पर विभिन्न प्रकार के फ़ूड फेस्टिवल आयोजन करने की परंपरा पर कायम हैं. हमारा विभिन्न फ़ूड फेस्टिवल रखने का एक ही मकसद होता है की हर कोई खाने का शौक़ीन विशेष व्यंजनों का लुत्फ़ उठा सकें. देहलनवी फ़ूड फेस्टिवल इसकी ही एक कड़ी है. मुंबई के लोग खाने के शौक़ीन हैं और हमेशा अपेक्षा रखते हैं की आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल कुछ नया फ़ूड फेस्टिवल लेकर आये. हम आशा करते है की मुंबई के भोजन प्रेमी इस फ़ूड फेस्टिवल भरपूर लुत्फ़ उठाएंगे.

आईटीसी होटल्स की कॉरपोरेट एग्जीक्यूटिव शेफ मनीषा भसीन इस अवसर पर बोलते हुए कहा, "जहां तक मुझे पता है, 2005 में आईटीसी होटल्स शेरेटन नई दिल्ली में 'देहलनवी' सिग्नेचर बैंक्वेट व्यंजन दिखाने वाला दुनिया का पहला ब्रांड था। लगभग एक दशक बाद, देहलनवी व्यंजनों के खजाने के सबसे प्रतिष्ठित व्यंजनों को प्रस्तुत करने और खाने वालों के साथ साझा करने के लिए संपत्ति पर दिल्ली पवेलियन लॉन्च किया गया था। देहलनवी ट्रेल का जश्न मनाकर हम दिल्ली की मिश्रित संस्कृतियों की समृध्दि लाने के लिए खुश हैं।

यह लुटियंस दिल्ली की पुरानी दुनिया के आकर्षण को संरक्षित करते हुए लाल किले की बीहड़ सभ्यता और चांदनी चौक के स्वाद को दोहराने का प्रयास करता है। देहलनवी फूड ट्रेल के माध्यम से, आईटीसी होटल दिल्ली की इस खूबसूरत व्यंजन विरासत को नया आयाम दे रहा है.

अब आपके लिए लजीज खाने का सही मौका आ गया है इस मौके को बिलकुल ना चुकें और आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल जा कर देहलनवी फूड ट्रेल के लजीज व्यंजनों का लुत्फ़ अवश्य उठायें.

आयोग ने भाजपा से कांग्रेस के खिलाफ समाचारपत्र में दिए विज्ञापन पर साक्ष्य मांगे

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कर्नाटक भाजपा को नोटिस जारी करके उस समाचारपत्र विज्ञापन के बारे में मंगलवार शाम तक 'सत्यापन योग्य और पता लगाने योग्य' तथ्य प्रदान करने के लिए कहा जिसमें कांग्रेस को 'दुनिया की सबसे भ्रष्ट पार्टी' बताया गया था। कांग्रेस ने भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा जारी विज्ञापन के खिलाफ निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष को जारी अपने नोटिस में कहा कि विरोधी दलों की नीति और शासन की आलोचना संविधान में निहित एक गारंटीकृत अधिकार है और साथ ही भारत की चुनावी प्रक्रिया के तहत विभिन्न राजनीतिक नेताओं का एक आवश्यक कार्य है। आयोग ने कहा, हालांकि, इस अधिकार का प्रयोग करते हुए और इस आवश्यक कार्य को करते हुए, विभिन्न राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे सार्वजनिक विमर्श के उच्च मानकों को बनाए रखें और आदर्श आचार संहिता और प्रासंगिक कानूनों के विभिन्न प्रावधानों का पालन करें।

मेरी तारीफ गहलोत का बड़ा षड्यंत्र : राजे

जयपुर। सियासी संकट के वक्त सरकार गिराने में सहयोग नहीं देने पर सीएम अशोक गहलोत के पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की तारीफ करने पर विवाद हो गया है। राजे ने गहलोत पर निशाना साधते हुए उनकी तारीफ को षड्यंत्र बताया है। राजे ने रविवार देर रात लिखित बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2023 में होने वाली हार से भयभीत होकर झूठ बोल रहे हैं।

मोदी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद की बताई 2 इच्छाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात में 4,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने 19,000 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत घरों की चाबियां दीं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी ने गिफ्ट सिटी का दौरा भी किया। उसके बाद उन्होंने 4,400 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। 'मैं आजीवन विद्यार्थी हूं'गांधीनगर में कई विकास योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमें समाज में ऐसा

माहौल बनाने की जरूरत है, जिसमें लोग शिक्षक बनने के लिए स्वेच्छा से आगे आएं। हमें देश के भविष्य को गढ़ना है, बच्चों को रोज कुछ नया सिखाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जो एक बड़ा प्रावधान किया गया है, वो हमारे गांव देहात और छोटे शहरों के शिक्षकों की बहुत मदद करने वाला है और ये प्रावधान है मातृभाषा में पढ़ाई का। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मैं आजीवन एक विद्यार्थी हूं। समाज में जो कुछ भी होता है, मैं उसे बारीकी से ऑब्जर्व करना सीखा हूं। पीएम ने कहा कि गूगल डाटा दे सकता है लेकिन फैसला आप ही को लेना है। जाति-धर्म के आधार पर भेद नहीं करती भाजपाप्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए देश का विकास एक समर्पण है। अभी गुजरात में भाजपा सरकार बने कुछ ही महीने हुए हैं लेकिन विकास की रफ्तार देखकर आनंद आ रहा है। हमारी सरकार हर गरीब तक पहुंचने की कोशिश कर रही है और हमारी सरकार किसी के साथ जाति-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों और अब की सरकार के विजन में बड़ा अंतर है। हम गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। पुरानी नीतियों या फेल हो चुकी नीतियों पर चलकर देश का भाग्य नहीं बदल सकता और ना ही देश सफल हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम आवास योजना गरीबों के साथ महिला सशक्तिकरण को बड़ी ताकत दे रही है। पिछले नौ वर्षों में देश में 4 करोड़ पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं। जिनमें से 70 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं।

समीर वानखेडे सहित चार अन्य लोगों पर सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा

सीबीआई ने आर्यन खान क्रूज मामले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में मुंबई एनसीबी के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े और चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि समीर वानखेड़े ने दो साल पहले अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कथित क्रूज ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय समीर मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में अधिकारी थे। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसी ने उनके मुंबई, दिल्ली, रांची (झारखंड) और कानपुर (उत्तर प्रदेश) में 29 ठिकानों पर छापेमारी भी की। सीबीआई के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह एफआईआर उनके खिलाफ कथित रूप से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के

मामले में दर्ज की गई है। आर्यन खान को 2 अक्टूबर, 2021 को कॉर्डेलिया क्रूज जहाज पर एक कथित ड्रग बस्ट केस में गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में सीबीआई ने समीर वानखेड़े के अलावा विश्व विजय सिंह, तत्कालीन अधीक्षक, NCB; मुंबई जोनल यूनिट, NCB के तत्कालीन खुफिया अधिकारी आशीष रंजन; के. पी. गोसावी और सांविल डिसूज़ा और अन्य अज्ञात व्यक्तियों पर भी आरोप लगाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इन सभी लोगों ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रची थी साथ ही कथित रूप से अभियुक्तों से रिश्वत के रूप में अनुचित लाभ प्राप्त किया।

36 हजार प्राथमिक शिक्षकों को हाईकोर्ट ने दिया झटका

बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने वर्ष 2016 के प्राथमिक पैनल की 36,000 भर्तियों को रद्द करने का आदेश दिया। साक्षात्कार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। साक्षात्कारकर्ताओं ने गवाही दी कि भर्ती परीक्षा में एप्टीट्यूड टेस्ट भी नहीं लिया गया।कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने शुक्रवार को अवैध तरीके से नियुक्त किए गए 36 हजार प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने का आदेश शुक्रवार को दिया है। ये सारे अप्रशिक्षित हैं। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि आगामी चार महीने तक ये सारे शिक्षक स्कूल तो जाएंगे, लेकिन इनका वेतन पैरा टीचर्स के तौर पर मिलेगा। तीन महीने के अंदर राज्य सरकार को इनकी जगह नई नियुक्ति कर इन पदों को भरना होगा। उल्लेखनीय है कि इस दौरान 42,500 शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी।

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमवीर सिंह का निलंबन रद्द

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ सभी आरोप वापस ले लिए हैं। राज्य सरकार ने दिसंबर 2021 में जारी निलंबन आदेश को भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सिंह के खिलाफ जबरन वसूली से संबंधित चार प्राथमिकियां मुंबई और उससे सटे ठाणे में दर्ज की गई थीं। अधिकारी ने बताया कि राज्य के गृह विभाग ने बुधवार को उनका निलंबन वापस लेने का आदेश जारी किया।उन्होंने कहा कि आदेश के अनुसार सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी के निलंबन की अवधि को उसी तरह माना जाना चाहिए जैसे वह ड्यूटी पर थे। सिंह को दिसंबर 2021 में

निलंबित कर दिया गया था जब महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार सत्ता में थी।महाराष्ट्र सरकार ने नवंबर 2021 में परमबीर सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की थी। उनके खिलाफ रंगदारी के आरोपों में एफआईआर दर्ज थी। तब के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 12 नवंबर को अस्पताल से छुट्टी मिलते ही परमबीर के निलंबन आदेश पर दस्तखत किए थे। इसके साथ उस वक्त के ठाणे शहर के उपायुक्त पराग मनेरे को भी निलंबित कर दिया गया था। परमबीर सिंह के खिलाफ अनियमितताओं और कर्तव्यों का निर्वहन न करने के मामले में कार्रवाई की गई थी। उन पर आरोप था कि वह महाराष्ट्र होम गार्ड के प्रमुख बनाए जाने के बाद से ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे। उन्हें स्वास्थ्य के आधार पर 29 अगस्त 2021 तक की छुट्टी दी गई थी, लेकिन इसके बाद भी वह ड्यूटी पर नहीं लौटे थे। सिंह ने मार्च 2021 में प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर अपने पद का गलत इस्तेमाल करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। परमबीर के मुताबिक देशमुख ने पुलिस को रेस्टोरेंट व बार मालिकों से एक महीने में 100 करोड़ की उगाही करने को कहा था।

16 विधायकों की अयोग्यता से निपटा जा सकता था: अजीत पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिछले साल अविभाजित शिवसेना में उथल-पुथल के बाद 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता था, अगर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में नाना पटोले के इस्तीफे के बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) तेजी से आगे बढ़ता।एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के पतन के कारण राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा

अपना फैसला सुनाए जाने के एक दिन बाद पवार यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की ठाकरे की मांग व्यर्थ है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान लोगों में बहुत अंतर है।पवार ने विधानसभा अध्यक्ष पद से नाना पटोले के इस्तीफे को बताई वजहअजित पवार ने कहा कि सबसे पहले, तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष (नाना पटोले) ने तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे से परामर्श किए बिना इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने के बाद ही इसकी घोषणा की गई थी। यह नहीं होना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि पटोले के इस्तीफे (फरवरी 2021 में) के बाद एमवीए, जिसमें राकांपा, कांग्रेस और अविभाजित शिवसेना साझेदार थे, को अध्यक्ष की नियुक्ति का मुद्दा उठाना चाहिए था। लेकिन दुर्भाग्य से हम एमवीए के रूप में ऐसा करने में विफल रहे। विधानसभा में विपक्ष के नेता पवार ने कहा कि शिंदे गुट की बगावत के कारण अयोग्यता का मुद्दा सुलझाया जा सकता था, अगर विधानसभा अध्यक्ष होते। लेकिन लंबे समय से डिप्टी स्पीकर सदन की कार्यवाही देख रहे थे। उन्होंने कहा, इस घटना (विद्रोह और नई सरकार के गठन) के बाद उन्होंने तुरंत उस पद को भर दिया। अगर पद पहले ही भरा होता, तो अध्यक्ष इन 16 लोगों (विधायकों) को अयोग्य घोषित कर देते।

यूपी में 10वीं की बोर्ड परीक्षा में वाराणसी रहा टॉप पर, 10 में से 7 पर कब्जा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं का परिणाम शुक्रवार दोपहर जारी हो गया। यूपी टॉप-10 की सूची में वाराणसी का डंका बजा है। यूपी टॉप-10 सूची में सात विद्यार्थी वाराणसी के हैं। दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा आर्जवी गुप्ता ने 98.4 फीसदी अंक के साथ वाराणसी में जिला टॉप किया। यूपी टॉप-10 सूची में वो चौथे स्थान पर रहीं। इसी स्कूल की शुभी यादव और अरुणवा सरकार ने 98.2 फीसदी अंक हासिल कर दूसरा तो प्रियांश राय ने 98 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सीबीएसई दसवीं का परिणाम कॅरियर का पहला बड़ा मंच है और यहां की कामयाबी आने वाले समय की तकदीर बनाती है।

रिजल्ट आते ही टॉपर्स के घरों में जश्न का माहौल है।

मां-बाप को अपने बच्चों पर नाज है, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से उन्हें गौरवान्वित किया और बच्चों को अपने मां-बाप पर, जिन्होंने उनके सपनों को न सिर्फ अपना बनाया बल्कि हर कदम साथ रहकर उन्हें कामयाबी के जहां में पंख पसार कर उड़ने का हौसला भी दिया और आसमान भी।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।